

२०६६ श्रावण - २०६७ आषाढ वर्ष ३ अङ्क १ वार्षिक

प्रमुख संरक्षक

अध्यक्ष, श्री उदयराज सोती

संरक्षक

सदस्य श्री प्रेमराज उपाध्याय
सदस्य श्री योगेन्द्रप्रसाद राउत

सल्लाहकार

श्री विष्णुप्रसाद नेपाल
प्रशासकीय प्रमुख
श्री पदमप्रसाद खरेल

सम्पादन

श्री वैकुण्ठप्रसाद काफ्ले, संयोजक
श्री गुणराज पोखरेल, सदस्य
श्री जवाहरलाल हमाल, ,,
श्री श्रीराम नेपाल, ,,
श्री हरिभक्त पौडेल, ,,
श्री फणिन्द्रप्रसाद निरौला, ,,

सहयोगी

श्रीमती उमा बुढाथोकी

यस भित्र

| सि.नं. | विषयवस्तु | पेज नंवर |
|--------|---|----------|
| १ | सम्पादकीय | |
| २ | शिक्षक सेवा आयोगको संक्षिप्त परिचय | १ |
| ३ | आ.व.०६७/६८ को कार्यक्रम र भौतिक तथा वित्तीय प्रगति | २ |
| ४ | शिक्षक बहुवा प्रक्रिया र २०६६/६७ को जिल्लागत प्रगति विवरण | ७ |
| ५ | खुला प्रतियोगितात्मक परीक्षाका पाठ्यक्रम | १३ |
| ६ | अध्यापन अनुमति पत्र र शिक्षक बहुवाका संशोधित पाठ्यक्रम | १६ |
| ७ | २०६६/०६७ सम्मको अध्यापन अनुमति पत्र प्राप्त गर्नेहरुको क्षेत्र तथा जिल्लागत संक्षिप्त विवरण | ३५ |
| ८ | संगठनात्मक संरचना | ३६ |

सम्पादकीय

सामुदायिक विद्यालयहरूमा शिक्षण पेशालाई मर्यादित बनाई योग्य व्यक्तिहरूको चयन गर्न, बहुवा व्यवस्थालाई व्यवस्थित र प्रभावकारी बनाउन तथा अध्यापन अनुमति पत्र प्रदान गर्नका साथै शिक्षकको सेवा, सर्त र सुविधा सम्बन्धी विषयमा सरकारलाई आवश्यक सल्लाह एवं सुझाव दिन शिक्षक सेवा आयोग गठन भई स्थापना कालदेखिनै उक्त कार्यहरूमा सदैव कृयाशील रहँदै आएको छ ।

वर्तमान संविधान, ऐन कानून, विज्ञान र प्रविधिको क्षेत्रमा भइरहेको उपलब्धिलाई दृष्टिगत गरी सामुदायिक विद्यालयमा रिक्त शिक्षक पदपूर्ति गर्न तिनै तहका खुला प्रतियोगितात्मक परीक्षाका लागि नयाँ पाठ्यक्रमको निर्माण यस आयोगवाट भइसकेको छ भने सबै तहका शिक्षक अध्यापन अनुमति पत्र र आन्तरिक प्रतियोगितात्मक शिक्षक बहुवाका पाठ्यक्रमहरू पनि परिमार्जन गरी आयोगवाट हालै प्रकाशित गरिसकिएको छ ।

अध्यापन अनुमति पत्रलाई अझ स्तरयुक्त बनाउन आयोगले केही प्रभावकारी उपायहरूको थालनी गरी सकेको छ । खास गरी परीक्षा प्रणालीमा सुधार र अध्यापन अनुमति पत्रका प्रमाण पत्रहरू अझ स्तरीय बनाई वितरण गर्ने कार्यहरू मुख्यरूपले रहेका छन् । त्यसै गरी शिक्षक बहुवा तर्फ का.स.मू.को अंक दिंदा उनीहरूको कार्यदक्षतासँग जोडी मूल्याङ्कनका सूचकहरू तयार गर्ने प्रयास पनि भइरहेको छ । शिक्षक सेवा आयोगवाट सञ्चालन गरिने सबै कार्यक्रमहरूको विज्ञापन, लिखित परीक्षा तथा अन्तर्वार्ता जस्ता महत्वपूर्ण कार्यहरू समयमै उम्मेदवारहरूलाई जानकारी गराउन प्रत्येक वर्ष प्रभावकारी कार्यपात्रो तयार गर्ने तर्फ पनि आयोग प्रयासरत छ ।

शिक्षक बहुवा प्रक्रियामा कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन प्रणालीको वस्तुनिष्ठताले पनि पदोन्नतीको सन्दर्भमा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दछ । कार्यसम्पादन मूल्याङ्कनका निर्धारित आधार एवं सूचकाङ्कलाई आधार मानी निष्पक्ष एवं पारदर्शिरूपमा मूल्याङ्कन गरिएमा सुयोग्य शिक्षककोनै पदोन्नती भई पेशागत दक्षता अभिवृद्धिमा समेत सकारात्मक उत्प्रेरणा जागृत हुन गई गुणस्तरीय शिक्षा प्रदानमा टेवा पुग्न जानेछ । त्यसैले बहुवासम्बन्धी विद्यमान कानुनी व्यवस्था एवं व्यवहारिक प्रक्रिया एवं सरोकारवालामा देखिएका जिज्ञासा समेतलाई ध्यानमा राखी यस अंकमा पनि शिक्षक-बहुवाको का.स.मू. सम्बन्धी विस्तृत जानकारी दिने प्रयास गरिएको छ । त्यसै गरी आयोगवाट अध्यापन अनुमति पत्र र शिक्षकको आन्तरिक प्रतियोगितात्मक बहुवा परीक्षालाई अझ प्रभावकारी बनाउनका लागि प्रतिस्पर्धि शिक्षकहरू उत्पादन गर्दै लैजाने नीति अनुरूप समय सापेक्ष पाठ्यक्रममा परिमार्जन गर्न ज्यादै आवश्यक देखिएकोले प्राध्यापक/विज्ञ समुहहरूको प्रयास एवं सहयोगवाट मस्यौदा तयार गरी शिक्षक, प्राध्यापक, शिक्षा सेवाका अधिकृत कर्मचारीहरू र शिक्षकहरूको पेशागत संघ संगठनहरूसँग क्षेत्र तथा जिल्लाहरूमा व्यापक छलफल गराई प्राप्त भएका सुझावहरू समेतलाई मनन गरी शिक्षक सेवा आयोगले सबै तहको अध्यापन अनुमति पत्र र विभिन्न श्रेणीका शिक्षकहरूको आन्तरिक प्रतियोगितात्मक परीक्षाको पाठ्यक्रम हालै परिमार्जन गरी प्रकाशन समेत गरिसकेको छ भने यो पाठ्यक्रम प्रकाशित भएको मितिले ३ महिना पछि हुने परीक्षादेखि कार्यान्वयनमा ल्याइने छ । संसोधित पाठ्यक्रम यसै बुलेटिनमा पनि प्रकाशित गरी सबै क्षेत्र र जिल्लामा पठाउने प्रयास भइरहेको छ । आयोगवाट नियमितरूपमा प्रकाशित गरिदै आएको बुलेटिनलाई अझ वस्तुपरक तथा वैज्ञानिक बनाउन प्रबुद्ध वर्गहरूको राय प्रतिक्रिया एवं रचनात्मक सुझावको आयोग सदैव हार्दिक स्वागत गर्दछ ।

शिक्षक सेवा आयोगको संक्षिप्त परिचय

१. सामुदायिक विद्यालयका शिक्षकहरुको स्थायी नियुक्ति तथा बढुवाका लागि सिफारिश गर्ने, शिक्षक पदको उम्मेदवारको लागि आवश्यक पर्ने अध्यापन अनुमति प्रदान गर्न र शिक्षकको सेवा शर्त र सुविधा सम्बन्धी विषयमा सरकारलाई सुझाव दिन २०५६ सालमा राष्ट्रिय शिक्षक सेवा आयोगको गठन भै २०५८ साल माघ २५ गते शिक्षा ऐन २०२८ मा भएको सातौं संशोधनद्वारा शिक्षक सेवा आयोगको गठन भै निरन्तर कार्यरत रही आएको छ ।
२. आयोगको कार्यहरु
 - सामुदायिक विद्यालयका शिक्षकहरुको स्थायी नियुक्तिका लागि कार्यसम्पादन पश्चात सिफारिश गर्ने,
 - ७५% कार्यसम्पादन मूल्याङ्कनका आधारमा (फाईल बढुवा) र २५% (आन्तरिक प्रतियोगितात्मक परीक्षाबाट) बढुवा कार्यसम्पादन गरी नियुक्तिका लागि सिफारिश गर्ने,
 - अध्यापन अनुमति पत्रको परीक्षा संचालन र प्रमाणपत्र प्रदान गर्ने,
 - शिक्षकहरुको खुला प्रतियोगितात्मक परीक्षा, बढुवा र अध्यापन अनुमति पत्रका लागि लिइने परीक्षाको पाठ्यक्रम निर्धारण गर्ने र परीक्षासम्बन्धी अन्य कार्य गर्ने,
 - शिक्षकहरुको सेवा, शर्त र सुविधाका सम्बन्धमा मन्त्रालयलाई सुझाव दिने आदि मुख्यरूपले रहेका छन् ।

आ.व. :- २०६६/६७ को वार्षिक प्रगति

(रकम रु हजारमा)

| | कार्यक्रम/क्रियाकलाप | एकाई | वार्षिक लक्ष | | | चौमासिक लक्ष | | | वार्षिक प्रगति | | प्रतिवेदन अवधिसम्म यस आ.व.को प्रगति | | आयोजनाको कूलमध्ये हालसम्म | | कैफियत |
|--|---|------|--------------|------|------|--------------|-----|------|----------------|-------|-------------------------------------|-------|---------------------------|--------------|--------|
| | | | परिमाण | भार | बजेट | परिमाण | भार | बजेट | परिमाण | भारित | परिमाण | भारित | सम्पन्न परिमाण | भारित प्रगति | |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ |
| अ) पूजिगत खर्च अन्तर्गतका कार्यक्रमहरु | | | | | | | | | | | | | | | |
| १. | फर्निचर :- रिभोल्विङ कुर्सी, टु.अफिसर कुर्सी ट, डेविल ट, दराज (बुककेस समेत) जण, सोफा घ, कुर्सी/डेबुल (कपिपरीक्षा हल) इछ/इछ, कार्पेडिङ ड कोज | | खरिद गर्ने | ०.६६ | ५०० | | | | खरिद भएको | ०.६६ | खरिद भएको | ०.६६ | | | |
| २ | मेशिनरी ओजार :- ल्यापटप/डेस्कटप जण, यू.पी.एस जण, मूभि/डिजिटल क्यामरा ज/ज, प्रिन्टर ठ | | खरिद गर्ने | ०.८० | ६०० | | | | खरिद भएको | ०.८० | खरिद भएको | ०.८० | | | |
| (क) | पूजिगत खर्च कार्यक्रमको जम्मा | | | १.४६ | ११०० | | | | | | | १.४६ | | | |

| आ) चालु खर्च अन्तर्गतका कार्यक्रमहरु | | | | | | | | | | | | | | | |
|--------------------------------------|---|------|--|------|------|---|---|---|---|------|---|------|--|--|---|
| ज | शिक्षकहरुको बढुवा प्रक्रिया (क) ७५% कार्यक्षमताका आधारमा (आ.व. २०६५/०६६ को निरन्तरता) | गोटा | २००० फाइल अध्ययन गरी बढुवा सिफारिश गर्ने | १.९९ | १५०० | - | - | - | ६४ वटा विज्ञापनको मूल्यांकन गरी बढुवाको लागि सिफारिश भएको | १.९९ | ६४ वटा विज्ञापनको मूल्यांकन गरी बढुवाको लागि सिफारिश भएको | १.९९ | | | गत आ.व. (०६५/६६) मा संचालन गरेका ३७७ मध्ये सम्पन्न हुन बाँकी ६४ वटा विज्ञापनको सिफारिश भएको |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|--|------|--|-------|-------|--|--|--|--|-------|--|-------|--|--|--|
| द | शिक्षकहरुको बढुवा प्रक्रिया (क) ७५% कार्यक्षमताका आधारमा | गोटा | ६००० फाइल अध्ययन गरी बढुवा सिफारिश गर्ने | १०.६२ | ८००० | | | | ७३ जिल्लाका लागि २६५ वटा विज्ञापन भएकोमा १८२ वटा विज्ञापनको नतिजा प्रकाशित पुनरावलोकनको लागि परेका ६८ वटा विज्ञापनको उजुरीमा पुनरावलोकन गरी सिफारिश गरिएको । | ७.८७ | ७३ जिल्लाका लागि २६५ वटा विज्ञापन भएकोमा १८२ वटा विज्ञापनको नतिजा प्रकाशित पुनरावलोकनको लागि परेका ६८ वटा विज्ञापनको उजुरीमा पुनरावलोकन गरी सिफारिश गरिएको । | ७.८७ | | | |
| घ | आन्तरिक प्रतियोगितात्मक २५% बढुवा | गोटा | २००० उ.पु.परीक्षण गरी सिफारिश गर्ने | १०.६२ | ८००० | | | | ५३ जिल्लाका लागि ९६ वटा विज्ञापन भएकोमा नतिजा प्रकाशित गरी सिफारिश गरिएको । | १०.६२ | ५३ जिल्लाका लागि ९६ वटा विज्ञापन भएकोमा नतिजा प्रकाशित गरी सिफारिश गरिएको । | १०.६२ | | | |
| ङ | अध्यापन अनुमतिपत्र प्रदानको (आ.व.०६५/६६ को निरन्तरता) | गोटा | ८७००० प्रमाणपत्र वितरण गर्ने | ११.९५ | ९००० | | | | ८६३८७ वटा प्रमाणपत्र वितरण भएको | ११.९५ | ८६३८७ वटा प्रमाणपत्र वितरण भएको | ११.९५ | | | |
| च | (क) अध्यापन अनुमतिपत्र प्रदान | गोटा | १३८००० प्रमाणपत्र वितरण गर्ने | ३७.९७ | २८६०० | | | | १७१७२९ प्रमाणपत्र वितरण गर्न उ.पु.परीक्षण अन्तिम चरणमा | २८.०० | १७१७२९ प्रमाणपत्र वितरण गर्न उ.पु.परीक्षण अन्तिम चरणमा | २८.०० | | | |
| | (ख) प्रमाणपत्र छपाइ र प्रिन्टर | गोटा | छपाई र खरिद गर्ने | १.३३ | १००० | | | | हेभी डिउटी प्रिन्टर खरिद गरी छपाइ सम्पन्न | १.३३ | हेभी डिउटी प्रिन्टर खरिद गरी छपाइ सम्पन्न | १.३३ | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|--|------|-----------------------------|------|------|--|--|--|--------------------------------|------|--------------------------------|------|--|--|---|
| ट | खुला प्रतियोगितात्मक परीक्षा (आरक्षण समेत) | गोटा | २४००० | ४.७८ | ३६०० | | | | रिक्त पदको तथ्याङ्क संकलन भएको | ० | रिक्त पदको तथ्याङ्क संकलन भएको | ० | | | नियमावली स्वीकृत नभएकोले विज्ञापन हुन नसकेको हेदा विनियोजित रकम मध्ये ३५ लाख मन्त्रालयमा फिर्ता |
| ठ | आयोगको बुलेटिन तथा प्रतिवेदन प्रकाशन | गोटा | वार्षिक प्रतिवेदन र बुलेटिन | ०.४० | ३०० | | | | प्रकाशन भएको | ०.४० | प्रकाशन भएको | ०.४० | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|---|---------------|---------|-------|-------|--|--|--|------|-------|------|-------|--|--|--|
| ड | आयोगको क्षेत्रीय तथा जिल्लास्तरीय गोष्ठी तालिम | सम्पन्न गर्ने | २५० जना | १.९९ | १५०० | | | | भएको | १.९९ | भएको | १.९९ | | | |
| ढ | आयोगको कार्यव्यवस्थापनका लागि क्षेत्र तथा जिल्लाको खाजा तथा खाना खर्च | खर्च गर्ने | २५० जना | २.६६ | २००० | | | | भएको | २.६६ | भएको | २.६६ | | | |
| ण | क्षेत्रीय बढुवा समितिको अभिमुखीकरण गोष्ठी | सम्पन्न गर्ने | ५० जना | ०.६६ | ५०० | | | | भएको | ०.६६ | भएको | ०.६६ | | | |
| त | शिक्षक अध्यापन अनुमतिपत्र तथा आन्तरिक प्रतियोगितात्मक शिक्षक बढुवा परीक्षाको पाठ्यक्रम परिमार्जन र कार्यशाला गोष्ठी | सम्पन्न गर्ने | १५० जना | १.३२ | १००० | | | | भएको | १.३२ | भएको | १.३२ | | | |
| ख) | चालु खर्च कार्यक्रमको जम्मा | | | ८६.२९ | ६५००० | | | | | ६८.७९ | | ६८.७९ | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | |
|----|-------------------------------|--|--|-------|-------|--|--|--|--|-------|--|-------|--|--|
| ग) | कार्यक्रम खर्चको जम्मा (कं ख) | | | ८७.७५ | ६६१०० | | | | | ७०.२५ | | ७०.२५ | | |
| घ) | उपभोग खर्च | | | ६.९४ | ५२२९ | | | | | ६.९४ | | ६.९४ | | |
| ङ) | कार्यालय संचालन खर्च | | | ५.३१ | ३९९७ | | | | | ५.३१ | | ५.३१ | | |
| च) | कूल जम्मा खर्च (गं घंङ) | | | १०० | ७५३२६ | | | | | ८२.५० | | ८२.५० | | |

भारित प्रगति ८२.५०%

आयोजनाको उपलब्धि/प्रतिफल विवरण

| क्र.सं. | विवरण | एकाई | वार्षिक | | वार्षिक प्रगति | | यस आ.व.को हालसम्म | |
|---------|---|------|---------------------|--------|---------------------|--|-------------------|--|
| | | | लक्ष | प्रगति | लक्ष | प्रगति | लक्ष | प्रगति |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ |
| अ) | आयोजनाको लक्ष अनुरूप अपेक्षित प्रतिफल (इगतउगत) | | | | | | | |
| | क) शिक्षकहरुको बढुवा प्रक्रिया (७५% कार्यक्षमताका आधारमा) आ.व.०६५/६६ को निरन्तरता | गोटा | बढुवा सिफारिश गर्ने | | बढुवा गर्ने | गत वर्षको ३७७ विज्ञापन मध्ये बाँकी ६४ वटा विज्ञापनको मूल्यांकन गरी सिफारिश भएको । | | गत वर्षको ३७७ विज्ञापन मध्ये बाँकी ६४ वटा विज्ञापनको मूल्यांकन गरी सिफारिश भएको । |
| | ख) शिक्षकहरुको बढुवा प्रक्रिया (७५% कार्यक्षमताका आधारमा) | गोटा | बढुवा गर्ने | | | ७३ जिल्लाका लागि २६५ विज्ञापन मध्ये १८२ वटा विज्ञापनको नतिजा प्रकाशित र ६८ वटा विज्ञापनको नतिजा पुनरावलोकन भई सिफारिश गरिएको । | | ७३ जिल्लाका लागि २६५ विज्ञापन मध्ये १८२ वटा विज्ञापनको नतिजा प्रकाशित र ६८ वटा विज्ञापनको नतिजा पुनरावलोकन भई सिफारिश गरिएको । |
| | ख) शिक्षकलाई बढुवा गर्ने (२५%.) | गोटा | बढुवा सिफारिश गर्ने | | बढुवा सिफारिश गर्ने | ५३ जिल्लाका लागि ९६ वटा विज्ञापनको नतिजा प्रकाशन गरी सिफारिश भएको । | | ५३ जिल्लाका लागि ९६ वटा विज्ञापनको नतिजा प्रकाशन गरी सिफारिश भएको । |
| | ग) अध्यापन अनुमति पत्र वितरण ०६५/६६ को निरन्तरता | गोटा | ८७००० वितरण गर्ने | | | ८६३८७ वितरण भएको | | पहिलो चरणको ८६३८७ वितरण भएको |
| | ङ) अध्यापन अनुमति पत्र वितरण | गोटा | १३८००० वितरण गर्ने | | | १७१७२९ व्यक्तिलाई प्रमाण वितरण गर्न उ.पु.परीक्षण अन्तिम चरणमा | | १७१७२९ व्यक्तिलाई प्रमाण वितरण गर्न उ.पु.परीक्षण अन्तिम चरणमा |
| | च) प्रमाणपत्र छपाई र प्रिन्टर खरिद | गोटा | छपाई र खरिद | | | प्रिन्टर खरिद भई पहिलो चरणको छपाई सम्पन्न | | दोस्रोचरणको छपाई भैरहेको । |

| | | | | | | | | |
|--|---|------|----------------|--|----------------|---|--|---------------------------------------|
| | छ) खुला प्रतियोगिताको विज्ञापन गर्ने | गोटा | विज्ञापन गर्ने | | विज्ञापन गर्ने | नियमावली स्वीकृतिको लागि मन्त्रालयबाट पहल भैरहेको | | रिक्त दरवन्दीको तथ्याङ्क संकलन भएको । |
| | ज) शिक्षक अध्यापन अनुमतिपत्र तथा आन्तरिक प्रतियोगितात्मक शिक्षक बढुवा परीक्षाको पाठ्यक्रम परिमार्जन र कार्यशाला गोष्ठी संचालन गर्ने | गोटा | गोष्ठी संचालन | | गोष्ठी संचालन | भएको | | भएको |
| | झ) आयोगको बुलेटिन तथा प्रतिवेदन प्रकाशन | गोटा | प्रकाशन गर्ने | | | प्रकाशित भएको | | प्रकाशित भएको |
| | ञ) आयोगको क्षेत्रीय तथा जिल्लास्तरीय गोष्ठी तालिम | | संचालन गर्ने | | | सम्पन्न भएको | | सम्पन्न भएको |
| | ट) क्षेत्रीय बढुवा समितिको अभिमुखीकरण गोष्ठी | | संचालन गर्ने | | | सम्पन्न भएको | | सम्पन्न भएको |

शिक्षक बढुवा प्रक्रिया

शिक्षा ऐन २०२८ तथा नियमावली २०५९ (संशोधन सहित) र शिक्षक सेवा आयोग नियमावली २०५७ को तेश्रो संशोधनमा शिक्षक नियुक्ति तथा बढुवाका प्रक्रियाका बारेमा स्पष्ट व्यवस्था भएता पनि यस सम्बन्धमा कतिपय शिक्षकहरुबाट बारम्बार जिज्ञासाहरु आईरहने गरेकाले सो सम्बन्धी ऐन नियमले गरेको व्यवस्थालाई छोटकरीमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

- प्राथमिक, निम्न माध्यमिक, तथा माध्यमिक तहमा कार्यरत शिक्षकहरु सम्बन्धित तह तथा श्रेणीमा कम्तिमा पाँच शैक्षिक वर्षको स्थायी नोकरी अवधि पूरा गरिसके पछि निश्चित बढुवा प्रक्रियाको माध्यमबाट सम्बन्धित तहको माथिल्लो दुई श्रेणीसम्म बढुवा हुन सक्ने प्रावधान रहेको छ ।
- बढुवा पदको लागि प्राथमिक, निम्न माध्यमिक, तथा माध्यमिक तीनै तहको प्रथम र द्वितीय श्रेणीको लागि रिक्त पद मध्ये २५ प्रतिशत आन्तरिक प्रतियोगितात्मक परीक्षा र ७५ प्रतिशत कार्य सम्पादन मूल्याङ्कनका आधारमा बढुवा प्रक्रियाद्वारा पद पुर्ति हुने व्यवस्था रहेको छ ।
- शिक्षक बढुवा हुँदा आन्तरिक प्रतियोगितात्मक परीक्षाबाट लिखित तथा मौखिक परीक्षामा प्राप्त अंकको जोडफल मेरिट लिष्टको आधारमा हुनेछ ।
- कार्यक्षमताको मूल्याङ्कनका आधारमा बढुवा हुँदा निम्न शिर्षकहरुको आधारमा जम्मा १०० अंक रहने व्यवस्था छ,।
 - -नोकरीको जेष्ठता बापत ३० अंक
 - -शैक्षिक योग्यता बापत १५ अंक
 - -तालिम बापत १५ अंक
 - -कार्य सम्पादन मूल्याङ्कन बापत ४० अंक
- उपरोक्त शिर्षक अन्तरगत उच्चतम अंक प्राप्त गर्ने शिक्षकलाई विज्ञापित पद बमोजिम योग्यताक्रमका आधारमा सिफारिस हुनेछ ।
- शैक्षिक नोकरीको जेष्ठता बापत प्रत्येक शैक्षिक वर्षकालागि दुई अंकका दरले बढिमा ३० अंक प्राप्त हुनेछ । तर पूरा वर्ष वा महिना नपुगेको अवस्थामा दामासाहिले अंक प्राप्त हुने ।

विशेष बढुवासम्बन्धी व्यवस्था

यस व्यवस्थाअनुसार कुनै शिक्षक शुरु नियुक्ति पाएको तहमा स्थायी भै सोही तहवाट निवृत्तभरण पाउने गरी अनिवार्य अवकास पाउने भएमा एक महिना अगावै सोही तहको माथिल्लो तहमा बढुवा गर्न आयोगले सिफारिश गर्ने छ भन्ने व्यवस्था रहेको छ । यसका कार्य विधि निम्नअनुसार रहेको छ :

- सम्बन्धित शिक्षकले अवकास पाउनुभन्दा ६ महिना अगाडि सम्बन्धित जिल्ला शिक्षा कार्यालयमा निवेदन दिनुपर्ने ।
- जि.शि.का.ले प्राप्त निवेदन उपर आवश्यक छानविन गरी ९० दिनअगावै आयोगमा सिफारिश गर्ने ।
- आयोगमा प्राप्त सिफारिश छानविन गर्दा उपयुक्त देखिएमा आयोगले जि.शि.का.मा नियुक्तिका लागि सिफारिश गर्ने ।
- जि.शि.अ.ले आयोगवाट सिफारिश भै आएमा त्यस्ता शिक्षकलाई ९ महिना अगावै सोही तहको माथिल्लो श्रेणीमा बढुवा गर्नेछ ।
- सम्बन्धित शिक्षकको अवकास पश्चात सो बढुवा भएको पद पूर्ववत पदमा कायम रहने व्यवस्था छ ।

कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन (७५%) बढुवा सम्बन्धमा देखिएका समस्या र प्रभावकारी समाधानका उपाय

शिक्षक सेवा आयोगमा बढुवाको लागि पेश हुन आएका कागजपत्र एवं विभिन्न जिल्लावाट शिक्षकहरूका सम्बन्धमा गरिएका गुनासाहरु एवं आयोगवाट समय समयमा गरिएका अनुगमनका अनुभवहरूका आधारमा देखिन आएका केही कमी कमजोरीलाई सुधार गर्न सम्बन्धित तहका कार्यालय, विद्यालय निरीक्षक एवं सम्भावित बढुवाको फाराम/कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन फाराम भर्ने शिक्षकहरूले ध्यान पुऱ्याउनु पर्ने केही पक्षहरु :-

- बढुवा व्यवस्था प्रति नीतिगत रूपमा शिक्षकहरु अनभिज्ञ रहेको पाइएकोले आफ्नो वृत्ति विकास प्रति सदैव सचेत हुनुपर्ने ।
- बढुवा/कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन फाराम शिक्षक तथा विद्यालयसम्म पुगेको नदेखिएकोले जिल्लाको सहयोगमा शिक्षक तथा विद्यालयले आवश्यक व्यवस्था मिलाउनु पर्ने ।
- शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक दुवै एक अर्काको प्रतिस्पर्धि हुने अवस्थामा बढुवाको सूचना नदिने जस्ता अपारदर्शी व्यवहार देखिने अवस्था विद्यमान देखिएकोले प्र.अ.ले जिम्मेवारी पूर्वक दायित्व निर्वाह गर्नुपर्ने ।
- कार्य सम्पादन मूल्याङ्कन फाराम भर्ने सूचना/जानकारी लिन कतिपय शिक्षकहरु चनाखो नभएको पाइएकोले योग्य शिक्षकले सचेत रहनुपर्ने एवं सम्बन्धित अन्य पक्षले सहयोग पुऱ्याउनु पर्ने ।
- शिक्षक सेवा आयोग नियमावलीको व्यवस्था पश्चात २०५९ सालमा एकपटक ३ वर्षको का.स.मू.भराई कार्य फछ्यौट गरिएकोमा पटक पटक शिक्षकहरूवाट कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन फाराम एकैपटक भर्न पाउने मानसिकता विकास भै नियमित भर्ने काममा द्विविधा देखिएको पाइएकोले सो व्यवस्था एकपटकको लागि मात्र भएको र तत्पश्चात नियमित भर्नुपर्ने एकभन्दा बढी वर्षको का.स.मू.एकैपटक भर्न नपाउने र भरेमा रद्द हुने कुराको जानकारी सम्बन्धित सवैमा गराउनु पर्ने ।
- प्र.अ.र निरीक्षकवाट कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन हुँदा पूर्वाग्रह एवं हचुवाको आधारमा मूल्याङ्कन गर्ने गरिएका गुनासाहरु प्राप्त हुन आएकोले यथार्थतालाई आत्मसात गरी वस्तुनिष्ठ मूल्याङ्कन गर्नु पर्ने ।
- शिक्षकहरूवाट मूल्याङ्कनका आधारहरूमा ध्यान नदिइ सेवा अवधिलाई मात्र प्रधानता दिइएको पाइएकोले अन्य पक्षमा समेत सचेत रहन पर्ने ।
- कतिपय शिक्षकहरूको का.स.मू.फाराम पूर्णरूपमा नभरिएको पाइएकोले फारामहरु स्पष्ट एउटै मसिले

- केरमेट नगरी भर्न लगाउने व्यवस्था गर्ने ।
- कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन फाराम भरी बुझाँउदा दर्ता नगर्ने एवं प्रमाण उपलब्ध नगराउने जस्ता गुनासा सुनिन आएकोले शिक्षकले विद्यालयमा र विद्यालयले एकमुष्ट जिल्लामा बुझाई दर्ता गरी सोको प्रमाण उपलब्ध गराउने ।
 - शिक्षकहरुमा विद्यालय निरीक्षकलाई नै अन्तिम निर्णयकर्ता हुन भन्ने भावना रहेको पाइएकोले मूल्यांकनका सवै पक्षको जानकारी दिन/राय लिन जि.शि.का.विद्यालय निरीक्षक, प्र.अ.सँग आवश्यक छलफल एवं अर्न्तक्रिया गर्ने ।
 - शिक्षकहरुवाट कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन फाराम समयमा नभरी पछिसम्म पनि भर्ने भराउने कार्य भैरहेको पाइएकोले शिक्षक सेवा आयोग नियमावली अनुरूप गर्न लगाउने ।
 - विद्यालयले कार्य सम्पादन मूल्यांकन फाराम जिल्लामा बुझाउदा बुझील्लिने व्यवस्थित प्रक्रिया नहुँदा र सोको दर्ता प्रमाण उपलब्ध नगराउँदा त्यस्ता शिक्षक जसको पछि बढुवा नहुँदा निरीक्षकलाई बुझाएको दोष देखाउन खोज्ने र प्रमाण नदिएको बताउने गरेको गुनासा समेत प्राप्त हुन आएकोले जिल्ला शिक्षा कार्यालय एवं क्षे.शि.नि.हरुमा फाराम भर्ने र बुझ्ने प्रकृत्यालाई प्रभावकारी बनाउनु पर्ने ।
 - कार्यसम्पादन फाराम भर्ने, मूल्यांकन गर्ने, दर्ता गर्ने, समयमा सम्वन्धित निकायमा बुझाउने कार्य कम प्राथमिकतामा राखिएको पाइएकोले उक्त कार्यलाई उच्च प्राथमिकता दिई कार्य सम्पन्न गर्ने व्यवस्था मिलाउनु पर्ने ।
 - थोरै समय मात्र कार्यक्षेत्रमा रहेका निरीक्षकहरुवाट कार्य सम्पादन मूल्याङ्कन भैरहेको र शिक्षकहरुको वास्तविक क्षमता पहिचान नगरी मूल्याङ्कन भईरहेको कुरा विद्यालय शिक्षकहरुवाट गुनासा आउने गरेकोले कम्तिमा १ शैक्षिक सत्रसम्म कार्यरत रहने गरी निरीक्षक खटाउन एवं सो क्षेत्रमा १ वर्ष कार्यरत निरीक्षक एवं सम्वन्धित विद्यालयको प्र.अ.को सहयोगमा प्रभावकारी मूल्याङ्कन गर्ने व्यवस्था मिलाउन आवश्यक देखिन्छ ।

०६६/६७ मा सञ्चालित सवै तहका शिक्षकहरुको
७५% का.स.मु.प्रक्रियावाट र २५% आन्तरिक प्रतियोगितात्मक परीक्षावाट बहुवा भएका शिक्षकहरुको
जिल्लागत विवरण

पूर्वाञ्चल

| क्र. सं. | जिल्ला | तह | श्रेणी | ७५% विज्ञापित तथा सिफारिश पद संख्या | २५% विज्ञापित तथा सिफारिश पद संख्या |
|----------|-----------|----------|----------|-------------------------------------|-------------------------------------|
| १ | पाँचथर | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | २ |
| | | नि.मा. | द्वितीय | १ | |
| | | | प्रथम | २ | १ |
| २ | इलाम | माध्यमिक | द्वितीय | ३ | |
| | | | द्वितीय | | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | ४ | १ |
| | | | माध्यमिक | द्वितीय | ४ |
| ३ | भद्रापा | प्राथमिक | द्वितीय | | ५ |
| | | | द्वितीय | | ३ |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | १ | |
| ४ | संखुवासभा | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | १ | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | १ | |
| | | | प्रथम | २ | |
| ५ | तेह्रथुम | माध्यमिक | द्वितीय | २ | |
| | | | द्वितीय | | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | ३ |
| | | | प्रथम | | ३ |
| | | नि.मा. | द्वितीय | ३ | |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |

| | | | | | |
|----|------------|----------|---------|---|---|
| ६ | धनकुटा | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | २ | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | १ | |
| ७ | भोजपुर | माध्यमिक | द्वितीय | २ | १ |
| | | | द्वितीय | | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| ८ | मोरङ | नि.मा. | द्वितीय | ३ | |
| | | | द्वितीय | | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | ८ |
| | | | प्रथम | | ९ |
| ९ | सुनसरी | नि.मा. | द्वितीय | | १ |
| | | | द्वितीय | | १ |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | ५ |
| | | | प्रथम | ५ | ५ |
| १० | सोलुखुम्बू | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | द्वितीय | | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | ३ | |
| ११ | खोटाङ | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | द्वितीय | | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | ३ | |
| १२ | ओखलढुंगा | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | द्वितीय | | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | १ | |
| १३ | उदयपुर | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | द्वितीय | | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | ३ | १ |
| | | | प्रथम | १ | |
| १४ | सिरहा | माध्यमिक | द्वितीय | ५ | १ |
| | | | द्वितीय | | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | २ | २ |
| | | | प्रथम | | |

मध्यमाञ्चल

| | | | | | |
|----|----------|----------|---------|---|---|
| १५ | दोलखा | प्राथमिक | द्वितीय | | ५ |
| | | | प्रथम | | ४ |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | २ | २ |
| १६ | रामेछाप | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | द्वितीय | | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| १७ | सिन्धुली | नि.मा. | द्वितीय | | |
| | | | द्वितीय | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| १८ | धनुषा | प्राथमिक | द्वितीय | | ३ |
| | | | द्वितीय | | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| १९ | महोत्तरी | प्राथमिक | द्वितीय | | ४ |
| | | | द्वितीय | | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| २० | सर्लाही | माध्यमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | द्वितीय | | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | २ |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | | |
| | | | द्वितीय | | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |

| | | | | | |
|----|---------------|----------|---------|--|---|
| २१ | सिन्धुपाल्चोक | माध्यमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | द्वितीय | | |
| २२ | रसुवा | नि.मा. | द्वितीय | | २ |
| | | | द्वितीय | | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | २ |
| | | | प्रथम | | |
| २३ | नुवाकोट | नि.मा. | द्वितीय | | १ |
| | | | द्वितीय | | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| २४ | धादिङ | प्राथमिक | द्वितीय | | ५ |
| | | | द्वितीय | | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |

| | | | | | |
|----|----------------|----------|---------|---|---|
| २५ | काभ्रेपलान्चोक | प्राथमिक | द्वितीय | | ६ |
| | | | प्रथम | | १ |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |
| २६ | भक्तपुर | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | १ | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | १ | |
| २७ | काठमाडौं | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | ४ |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | ३ |
| | | | प्रथम | | |
| २८ | ललितपुर | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| २९ | मकवानपुर | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |

| | | | | | |
|----|-------|----------|---------|---|---|
| | | माध्यमिक | द्वितीय | २ | |
| | | | प्रथम | | |
| ३० | चितवन | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | ३ | |
| | | | प्रथम | १ | |
| ३१ | रौतहट | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| ३२ | बारा | प्राथमिक | द्वितीय | | ३ |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | २ |
| | | | प्रथम | | |
| ३३ | पर्सा | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |

पश्चिमाञ्चल

| | | | | | |
|----|--------|----------|---------|---|---|
| ३४ | गोरखा | प्राथमिक | द्वितीय | | ४ |
| | | | प्रथम | ३ | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | १ |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | ४ |
| | | | प्रथम | | |
| ३५ | मनाङ | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| ३६ | लमजुङ | प्राथमिक | द्वितीय | २ | |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | १ | |
| | | | प्रथम | ४ | १ |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | १ | |
| ३७ | कास्की | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| ३८ | तनहुँ | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | ३ |
| | | | प्रथम | ३ | |

| | | | | | |
|----|------------|----------|---------|---|---|
| ३९ | स्याङ्जा | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | ३ | १ |
| | | | प्रथम | २ | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | २ | |
| ४० | नवलपरासी | प्राथमिक | द्वितीय | | ४ |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | १ |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| ४१ | पाल्पा | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | २ | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | ५ | १ |
| | | | प्रथम | ३ | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | ३ | |
| | | | प्रथम | २ | |
| ४२ | गुल्मी | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | ३ |
| | | | प्रथम | ३ | १ |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | ३ |
| | | | प्रथम | १ | |
| ४३ | अर्घाखाँची | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि. मा. | द्वितीय | | २ |
| | | | प्रथम | ३ | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | २ |
| | | | प्रथम | | |

| | | | | | |
|----|-----------|----------|---------|----|---|
| ४४ | रुपन्देही | प्राथमिक | द्वितीय | | ४ |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |
| ४५ | कपिलवस्तु | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| ४६ | मुस्ताङ | प्राथमिक | द्वितीय | २ | |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | १ | |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | २ | |
| | | | प्रथम | | |
| ४७ | म्याग्दी | प्राथमिक | द्वितीय | १४ | ४ |

मध्यपश्चिमाञ्चल

| | | | | | |
|----|---------|----------|---------|---|---|
| ५० | रुकुम | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | ३ |
| | | | प्रथम | | |
| ५१ | रोल्पा | प्राथमिक | द्वितीय | | ६ |
| | | नि.मा. | द्वितीय | ३ | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | २ | |
| ५२ | सल्यान | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | २ | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | ३ | १ |
| ५३ | प्यूठान | प्राथमिक | द्वितीय | | ४ |
| | | | प्रथम | १ | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | २ | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | ४ | १ |
| ५४ | दाङ | प्राथमिक | द्वितीय | | ५ |
| | | नि.मा. | द्वितीय | ३ | |
| | | | प्रथम | १ | |
| | | | प्रथम | २ | |
| ५५ | हुम्ला | प्राथमिक | द्वितीय | | २ |
| | | | प्रथम | ३ | १ |
| | | नि.मा. | द्वितीय | ३ | १ |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | १ | |
| ५६ | मुगु | प्राथमिक | द्वितीय | ४ | १ |

सुदूरपश्चिमाञ्चल

| | | | | | |
|----|--------|----------|---------|---|---|
| ६४ | बाजुरा | प्राथमिक | द्वितीय | | ४ |
| | | | प्रथम | | १ |
| | | नि.मा. | द्वितीय | | २ |
| | | | प्रथम | २ | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | १ | |
| | | | प्रथम | १ | |
| ६५ | बझाङ | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | २ | |
| ६६ | अछाम | प्राथमिक | द्वितीय | | ३ |
| | | | प्रथम | ३ | |
| ६७ | डोटी | प्राथमिक | द्वितीय | ३ | |

| | | | | | |
|----|---------|----------|---------|---|---|
| | | | प्रथम | | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | ४ | १ |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | ५ | १ |
| | | | प्रथम | | |
| ४८ | वाग्लुङ | प्राथमिक | द्वितीय | | ३ |
| | | | प्रथम | | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | ३ | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |
| ४९ | पर्वत | प्राथमिक | द्वितीय | | ६ |
| | | | प्रथम | ३ | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | |

| | | | | | |
|----|---------|----------|---------|----|---|
| | | नि.मा. | द्वितीय | २१ | |
| | | | प्रथम | | |
| ५७ | डोल्पा | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | नि.मा. | द्वितीय | १ | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | २ | |
| ५८ | कालिकोट | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | १ | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | २ | |
| ५९ | जुम्ला | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | | २ |
| | | | प्रथम | १ | |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | २ | |
| ६० | जाजरकोट | प्राथमिक | द्वितीय | | १ |
| | | | प्रथम | | १ |
| ६१ | दैलेख | प्राथमिक | द्वितीय | | ३ |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | | १ |
| ६२ | सुर्खेत | प्राथमिक | द्वितीय | | ४ |
| | | | प्रथम | ३ | १ |
| | | | प्रथम | १ | |
| ६३ | बाँके | प्राथमिक | द्वितीय | | ४ |
| | | | प्रथम | १ | |
| | | नि.मा. | द्वितीय | ४ | १ |
| | | माध्यमिक | द्वितीय | २ | |
| | | | प्रथम | १ | |

| | | | | | |
|----|-----------|----------|---------|---|---|
| ६८ | दार्चुला | प्राथमिक | द्वितीय | | ३ |
| | | | प्रथम | २ | |
| ६९ | डडेल्धुरा | प्राथमिक | द्वितीय | | |
| | | | प्रथम | ३ | |
| ७० | कञ्चनपुर | माध्यमिक | द्वितीय | १ | |
| | | प्राथमिक | द्वितीय | | २ |
| | | | प्रथम | | १ |
| | | | प्रथम | १ | |

सवै विकास क्षेत्रको गरी जम्मा विज्ञापन भएको

| | | |
|----|-----------------------|-----|
| १) | प्राथमिक द्वितीय | १२४ |
| २) | प्राथमिक प्रथम | २६ |
| ३) | निम्नमाध्यमिक द्वितीय | ३० |
| ४) | निम्नमाध्यमिक प्रथम | ७ |
| ५) | माध्यमिक द्वितीय | ३४ |
| ६) | माध्यमिक प्रथम | ० |

जम्मा २२१

पुनश्च :

(क) धनुषा जिल्लाको विज्ञापित पद प्रा.द्वितीय ३ पदमध्ये १ पदमात्र पूर्ति भएको र बाँकी २ मा सो परीक्षामा समावेश भएका उम्मेदवारहरु ५ शैक्षिक सत्र नपुगेका हुनाले योग्यताक्रमबाट हटाइएको । सर्लाही जिल्लाको विज्ञापित २ पदमध्ये १ पदमा मात्र उम्मेदवार उत्तीर्ण भएको ।

(ख) ७५% का.स.मु. प्रक्रियाबाट गरिने शिक्षक बढुवाका लागि बाँकी जिल्लाको कार्य भैरहेको ।

नेपाल सरकार
शिक्षक सेवा आयोगको
खुला प्रतियोगितात्मक लिखित परीक्षाको पाठ्यक्रम

यस आयोगबाट लिइने प्राथमिक, निम्न माध्यमिक तथा माध्यमिक तह तृतीय श्रेणी शिक्षक पदको प्रतियोगितात्मक लिखित परीक्षाको पाठ्यक्रम देहायअनुसार हुने भएकोले सम्बन्धित सबैको जानकारीका लागि पुनः प्रकाशित गरिएको छ :

- | | | |
|--|---------------|------------------|
| तह:प्राथमिक | श्रेणी: तृतीय | पूर्णाङ्क १०० |
| (१) शिक्षासम्बन्धी आधारभूत ज्ञान: बस्तुगत प्रश्न (बहुवैकल्पिक- समानान्तर सेटहरु) | | -२० अङ्क |
| (क) शिक्षासम्बन्धी आधारभूत जानकारी | | - १० अङ्क |
| (अ) नेपालको शिक्षाको राष्ट्रिय तथा तहगत उद्देश्यहरु | | |
| (आ) नेपालको विद्यालय तहको संरचना र पाठ्यक्रमको ढाँचा | | |
| (इ) पूर्वप्राथमिक शिक्षा तथा प्रारम्भिक बाल विकासको उद्देश्य र कार्यान्वयन | | |
| (ई) बाल अधिकार तथा लैङ्गिक समानता | | |
| (उ) शिक्षासम्बन्धी योजना तथा परियोजना: | | |
| ● रा.शि.प.को योजना (२०२८-०३२) प्राथमिक शिक्षाको संरचना र शिक्षक व्यवस्थापन | | |
| ● आधारभूत तथा प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम दोस्रो (१९९९-२००४), लक्ष्य र कार्यक्रम | | |
| ● सबैकालागि शिक्षा कार्यक्रम (२००४-२००९) उद्देश्य, लक्ष्य र कार्यक्रम | | |
| ● चालु आवधिक योजनामा प्राथमिक शिक्षाको लक्ष्य तथा कार्यक्रम | | |
| (ऊ) शिक्षण सिकाइ तथा कक्षा व्यवस्थापन | | |
| ● शिक्षण विधि र प्रक्रिया: | | |
| ● शैक्षणिक व्यवस्था: विषयगत, कक्षागत र बहुकक्षा शिक्षण | | |
| ● कक्षा कोठा व्यवस्थापन: भौतिक र विद्यार्थी | | |
| ● शैक्षिक सामग्रीहरुको व्यवस्था र प्रयोग : स्थानीय तथा अन्य | | |
| ● स्थानीय/ मातृभाषाको पाठ्यक्रम निर्माण र प्रयोग | | |
| ● बहुभाषा शिक्षणको महत्व र प्रयोग | | |
| (ए) शैक्षिक योजना निर्माण तथा मूल्याङ्कन | | |
| ● वार्षिक तथा दैनिक शैक्षणिक योजना निर्माण र कार्यान्वयन | | |
| ● विद्यालय सुधार योजना निर्माण र कार्यान्वयन | | |
| ● निर्माणात्मक तथा निर्णयात्मक मूल्याङ्कन - विभिन्न तरिका र प्रयोग | | |
| (ऐ) बाल विकास तथा मनोविज्ञान: पूर्वबाल्यावस्था र बाल्यावस्थाका सिकाइसंग सम्बन्धित विशेषताहरु, विकासात्मक पक्षहरु | | |
| (ख) संविधान, शिक्षासम्बन्धी ऐन तथा नियमावलीहरु | | - १० अङ्क |
| (अ) नेपालको अन्तरिम संविधान२०६३: मौलिक हक, शिक्षासम्बन्धी हक | | |
| (आ) शिक्षा ऐन २०२८ (संशोधन सहित) | | |
| (इ) शिक्षा नियमावली २०५९ (संशोधन सहित) : | | |

- विद्यालय व्यवस्थापन समितिको काम, कर्तव्य र अधिकार,
- शिक्षकको सेवा शर्त र सुविधाहरू,
- शिक्षक तथा विद्यार्थी आचारसंहिता

(ई) शिक्षक सेवा आयोग नियमावली २०५७ (संसोधन सहित)

- (२) प्राथमिक तहको विषयसम्बन्धी ज्ञान र सीप तथा आधुनिक शैक्षणिक प्रविधि - ८० अङ्क
- (क) विषयसम्बन्धी ज्ञान र सीप - ६० अङ्क
- प्राथमिक तहको नेपाली, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक, विज्ञान र वातावरण आदि विषयहरूसँग सम्बन्धित पाठ्यक्रमले तोकेको पाठ्यभारको आधारमा सकभर सबै विषय समेट्ने गरी विषयगत ज्ञान र सीपमा आधारित प्रश्नहरू तथा सोही विषयवस्तुमा आधारित शिक्षण विधि
- (ख) आधुनिक शैक्षणिक प्रविधि तथा खोज - २० अङ्क
- (अ) दूर तथा खुला शिक्षा
- (आ) अनौपचारिक शिक्षा र साक्षरता, कार्यमूलक तथा लचिलो र वैकल्पिक विद्यालय
- (इ) श्रव्य तथा दृश्य सामग्रीको परिचय र यसको प्रयोग
- (ई) समावेशी शिक्षा:- उद्देश्य, महत्व र आवश्यकता
- (उ) सूचना तथा सञ्चार शिक्षाको महत्व र आवश्यकता तथा शिक्षण सिकाइमा यसको प्रयोग

*** **

- तह: निम्नमाध्यमिक श्रेणी: तृतीय पूर्णाङ्क १००
- (१) शिक्षासम्बन्धी आधारभूत ज्ञान: वस्तुगत प्रश्न (बहुवैकल्पिक- समानान्तर सेटहरू) - २० अङ्क
- (क) शिक्षासम्बन्धी आधारभूत जानकारी - १० अङ्क
- (अ) साकं मुलुकहरूको शिक्षाका तहगत उद्देश्य तथा विद्यालयको संरचनासम्बन्धी आधारभूत जानकारी
- (आ) नेपालको शिक्षाको राष्ट्रिय तथा तहगत उद्देश्यहरू
- (इ) नेपालको शैक्षिक इतिहास (राणाकालदेखि हालसम्म)
- (ई) नेपालका विद्यालयको तहगत संरचना
- (उ) बाल अधिकार तथा लैङ्गिक समानता
- (ऊ) शिक्षासम्बन्धी योजना तथा परियोजना:
- रा.शि.प.को योजना (२०२८-०३२): नि.मा. तहको तहगत संरचना र उद्देश्य
 - सबैकालागि शिक्षा कार्यक्रम(२००४-२००९): उद्देश्य, लक्ष्य र कार्यक्रम
 - माध्यमिक शिक्षा सहयोग कार्यक्रम(२००३-२००८) उद्देश्य, लक्ष्य र कार्यक्रम
 - चालु आवधिक योजनामा निम्नमाध्यमिक शिक्षाको लक्ष्य तथा कार्यक्रम
- (ए) शिक्षासम्बन्धी आयोगका प्रतिवेदन :
- राष्ट्रिय शिक्षा आयोगको प्रतिवेदन २०४९: नि.मा. तथा माध्यमिक शिक्षाका विकासका लागि सुझावहरू
- (ऐ) शैक्षिक योजना, व्यवस्थापन तथा मूल्याङ्कन
- वार्षिक तथा दैनिक शैक्षणिक योजना निर्माण र कार्यान्वयन
 - विद्यालय सुधार योजना निर्माण र कार्यान्वयन
 - निर्माणात्मक तथा निर्णयात्मक मूल्याङ्कन:- विभिन्न तरिका र प्रयोग
- (ओ) बाल विकास तथा मनोविज्ञान: उत्तरवाल्यावस्था तथा किशोर अवस्थाका सिकाइसँग सम्बन्धित विशेषताहरू र विकासात्मक पक्षहरू
- (ख) **संविधान, शिक्षासम्बन्धी ऐन तथा नियमावलीहरू,** - १० अङ्क
- (अ) नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३
- मौलिक हक
 - शिक्षासम्बन्धी हक
 - कार्यपालिकासम्बन्धी व्यवस्था
- (आ) शिक्षा ऐन २०२८ (संसोधन सहित)
- (इ) शिक्षा नियमावली २०५९ (संसोधन सहित) :
- विद्यालय व्यवस्थापन समितिको काम, कर्तव्य र अधिकार,
 - शिक्षकको सेवा शर्त र सुविधाहरू,
 - शिक्षक तथा विद्यार्थी आचारसंहिता
- (ई) शिक्षक सेवा आयोग नियमावली २०५७ (संसोधन सहित)
- (२) निम्न माध्यमिक तहको विषयसम्बन्धी ज्ञान र सीप- ८० अङ्क
- (क) निम्नमाध्यमिक तहको सम्बन्धित विषयको पाठ्यक्रमले तोकेको पाठ्यभारको आधारमा विषयगत ज्ञान र सीपमा आधारित प्रश्नहरू तथा सोही विषयवस्तुमा आधारित शिक्षण विधि - ६० अङ्क
- (ख) आधुनिक शैक्षणिक प्रविधि र खोज - २० अङ्क
- (अ) दूर तथा खुला शिक्षाको आवश्यकता र महत्व
- (आ) श्रव्य तथा दृश्य सामग्रीको प्रयोग
- (इ) कक्षा शिक्षण सिकाइसँग सम्बन्धित सूक्ष्म कार्यमूलक खोज तथा अनुसन्धान
- (ई) समावेशी शिक्षाको महत्व र प्रयोग
- (उ) सूचना तथा सञ्चार शिक्षाको महत्व, आवश्यकता तथा शिक्षण सिकाइमा यसको प्रयोग

- तहः माध्यमिक श्रेणी: तृतीय पूर्णाङ्क १००
- (१) शिक्षासम्बन्धी आधारभूत ज्ञानः वस्तुगत प्रश्न (बहुवैकल्पिक- समानान्तर सेटहरु) - २० अङ्क
- (क) शिक्षासम्बन्धी आधारभूत जानकारी - १० अङ्क
- (अ) सार्क मुलुकहरुको शिक्षाको राष्ट्रिय उद्देश्य, विद्यालयको संरचना, तहगत उद्देश्य
- (आ) नेपालको शिक्षाको राष्ट्रिय तथा तहगत उद्देश्यहरु
- (इ) नेपालको शैक्षिक इतिहास (राणाकालदेखि हालसम्म)
- (ई) बाल अधिकार तथा लैङ्गिक समानता
- (उ) नेपालको विद्यालयको तहगत संरचना र माध्यमिक तहको शिक्षक व्यवस्थापन
- (ऊ) शिक्षासम्बन्धी योजना तथा परियोजनाः
- रा.शि.प.को योजना (२०२८-०३२) विद्यालयको संरचना, उद्देश्य र माध्यमिक तहको शिक्षक व्यवस्थापन
 - नि.मा. तथा माध्यमिक शिक्षा विकासका लागि कार्यान्वयन भएका योजना तथा कार्यक्रमहरुको जानकारी :
 - माध्यमिक शिक्षा विकास परियोजना (१९९३-१९९९)
 - माध्यमिक शिक्षा सहयोग कार्यक्रम (२००३-२००८) : शिक्षक शिक्षाका उद्देश्य, लक्ष्य र कार्यक्रम
 - शिक्षक शिक्षा परियोजना (२००२-२००७): लक्ष्य तथा कार्यक्रम
 - माध्यमिक तहको पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक तथा सन्दर्भ सामग्रीहरुको विकास तथा प्रयोग
 - राष्ट्रिय पाठ्यक्रमको प्रारूप २०६३: विद्यालयको संगठन, पाठ्यक्रमको ढाँचा
 - चालु आवधिक योजनामा माध्यमिक शिक्षाको लक्ष्य तथा कार्यक्रम
 - सवैका लागि शिक्षा कार्यक्रम (२००४-२००९) उद्देश्य, लक्ष्य र कार्यक्रम
- (ए) शिक्षासम्बन्धी आयोगका प्रतिवेदन :
- राष्ट्रिय शिक्षा आयोगको प्रतिवेदन २०४९: माध्यमिक तहको शिक्षा विकाससम्बन्धी सुझावहरु र कार्यान्वयनको स्थिति
 - उच्चस्तरीय राष्ट्रिय शिक्षा आयोगको प्रतिवेदन २०५५: माध्यमिक तहको शिक्षा विकाससम्बन्धी सुझावहरु र कार्यान्वयनको स्थिति
- (ऐ) शैक्षिक योजना, व्यवस्थापन तथा मूल्याङ्कन
- वार्षिक तथा दैनिक शैक्षणिक योजना निर्माण र कार्यान्वयन
 - गाउँ शिक्षा योजना, विद्यालय सुधार योजना र जिल्ला शिक्षा योजना : निर्माण र कार्यान्वयन
 - निर्माणात्मक तथा निर्णयात्मक मूल्याङ्कन:- विभिन्न तरिका र प्रयोग
 - लेटर ग्रेडिङ प्रणालीको परिचय र प्रयोग
- (ओ) बालविकास तथा मनोविज्ञानः किशोर अवस्थाका सिकाइसंग सम्बन्धित विशेषताहरु र विकासात्मक पक्षहरु
- (ख) **संविधान, शिक्षासम्बन्धी ऐन तथा नियमावलीहरु** १० अङ्क
- (अ) नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३
- मौलिक हक
 - शिक्षासम्बन्धी हक
 - व्यवस्थापिका, कार्यपालिका र न्यायपालिकासम्बन्धी व्यवस्था
- (आ) शिक्षा ऐन २०२८ (संशोधन सहित)
- (इ) शिक्षा नियमावली २०५९ (संशोधन सहित) :
- विद्यालय व्यवस्थापन समितिको काम, कर्तव्य र अधिकार,
 - जिल्ला शिक्षा समितिको गठन तथा काम, कर्तव्य र अधिकार,
 - शिक्षकको सेवा शर्त र सुविधाहरु,
 - शिक्षक तथा विद्यार्थी आचारसंहिता
- (ई) शिक्षक सेवा आयोग नियमावली २०५७ (संशोधन सहित)
- (२) माध्यमिक तहको विषयसम्बन्धी ज्ञान र सीप - ८० अङ्क
- (क) आवेदन गरेको विषयको पाठ्यक्रममा उल्लेखित पाठ्यभारको आधारमा विषयवस्तुसम्बन्धी ज्ञान, सीप तथा सोही विषयवस्तुमा आधारित शिक्षण विधि - ६० अङ्क
- (ख) आधुनिक शैक्षणिक प्रविधि तथा खोज - २० अङ्क
- (अ) शैक्षणिक प्रविधिको अर्थ र महत्व
- (आ) खुला शिक्षाको सान्दर्भिकता र खुला शिक्षा शिक्षणका तरिकाहरु
- (इ) दूर शिक्षाको महत्व र आवश्यकता, नेपालमा यसको प्रयोग
- (ई) कार्यमूलक अनुसन्धानको महत्व र शिक्षणमा यसको प्रयोग
- (उ) समावेशी शिक्षाको महत्व र प्रयोग
- (ऊ) शिक्षामा श्रव्य-दृश्य, दृश्य, श्रव्य र छुपाइ सामग्रीको प्रयोग
- (ए) कम्प्युटर सम्बन्धी आधारभूत जानकारी
- (ऐ) सूचना तथा सञ्चार शिक्षाको महत्व र आवश्यकता तथा शिक्षण सिकाइमा यसको प्रयोग

नेपाल सरकार
शिक्षक सेवा आयोगबाट लिइने सबै तहका अध्यापन अनुमति पत्रका परीक्षाको
संशोधित पाठ्यक्रम

माध्यमिक तह

खण्ड : क
सामान्य शिक्षा

पूर्णाङ्क : १००
उत्तीर्णाङ्क : ४०
समय : ३ घण्टा

१. नेपालको राष्ट्रिय शिक्षा प्रणाली
 - नेपालको संविधान र शिक्षा
 - शिक्षा मन्त्रालय र यस अन्तर्गतका विभाग तथा निकायहरूको सङ्गठन र कार्यहरू
 - शिक्षाका राष्ट्रिय उद्देश्य तथा तहगत उद्देश्यहरू
 - शैक्षिक तथ्याङ्कहरू (साक्षरता दर, खुद भर्ना दर, सहजै देखिने भर्ना दर, शिक्षक विद्यार्थी अनुपात, विद्यालय विद्यार्थी अनुपात, तालिम प्राप्त शिक्षक अनुपात, महिला शिक्षक अनुपात, निरीक्षक विद्यालय अनुपात) तथ्याङ्क शास्त्रिय विधिबाट विश्लेषण
 - शिक्षा ऐन २०२८ (संशोधन सहित) तथा शिक्षा नियमावली २०५९ (संशोधन सहित)
 - शिक्षक सेवा आयोग नियमावली २०५७ (संशोधन सहित)
 - नेपालका विभिन्न शिक्षा आयोग तथा समितिका प्रतिवेदनहरू (माध्यमिक तह सम्बन्धी)
 - सबैका लागि शिक्षा राष्ट्रिय कार्य योजना
 - विद्यालय शिक्षामा लगानी
२. शिक्षामा नवीनतम चिन्तन
 - समाहित शिक्षा
 - मानव अधिकारमा आधारित शिक्षा
 - बालमैत्री र दण्डरहित शिक्षा
 - सामाजिक न्याय र शिक्षा
 - शिक्षामा लैङ्गिक समता र समानता
 - वैकल्पिक, खुला तथा दूर शिक्षा
 - शिक्षामा सूचना र प्रविधिको प्रयोग
 - रोजगारमुलक शिक्षा
३. सिकाइ र बाल मनोविज्ञान
 - सिकाइ सिद्धान्तहरू : व्यवहारवाद, संज्ञानवाद, निर्माणवाद र सामाजिक निर्माणवाद
 - बाल विकास र यसका चरण तथा प्रक्रिया
 - शारीरिक, सामाजिक, बौद्धिक र संवेगात्मक विकास
 - सिकाइका प्रभावक तत्वहरू
 - सिकाइ प्रक्रिया र त्यसको व्यवस्थापन
४. विद्यालय समुदाय सम्बन्ध
 - विद्यालय व्यवस्थापन समिति गाउँ शिक्षा समिति र जिल्ला शिक्षा समितिका गठन प्रक्रिया र कार्यहरू
 - विद्यालय सुधार योजना
 - अभिभावक-शिक्षक सङ्घ
 - शिक्षासँग सम्बन्धित गैरसरकारी संस्था र अन्य सामाजिक संस्थाको भूमिका
 - सामाजिक संस्थाको परिचालनमा शिक्षकको भूमिका ।
 - शिक्षकका पेसागत सङ्घ संस्थाको भूमिका
५. शिक्षकको पेसागत दक्षता विकास
 - शिक्षक तालिमको आवश्यकता र उपयोग
 - शिक्षकको पेसागत दक्षता विकासका उपायहरू
 - स्वाध्ययन, स्वाध्ययन सामग्रीका स्रोत तथा साधन र तिनको उपयोग
 - असल शिक्षकका गुणहरू

- स्व-व्यवस्थापन
- नेपालमा शिक्षकको पेसागत विकासका लागि भएका प्रयासहरू

६. गुणस्तरीय शिक्षा

- गुणस्तरीय शिक्षाको परिभाषा र महत्व
- गुणस्तरीय शिक्षाका विशेषता
- गुणस्तरीय शिक्षा प्रवर्धनमा शिक्षक अभिभावक र विद्यार्थीको भूमिका
- नेपालमा गुणस्तरीय शिक्षाका लागि भएका प्रयासहरू

खण्ड : ख
शैक्षिक प्रक्रिया र व्यवस्थापन

७. कक्षाकोठा व्यवस्थापन तथा शैक्षणिक योजना

- कक्षा कोठाको व्यवस्थापन
- शैक्षणिक व्यवस्थापन (कक्षा शिक्षण, बहुकक्षा शिक्षण)
- शिक्षक विद्यार्थी सम्बन्ध, विद्यार्थी विद्यार्थी सम्बन्ध
- सामाजिक तथा भाषिक विविधताको व्यवस्थापन
- वार्षिक कार्य योजना र दैनिक पाठ योजनाको निर्माण
- सहकार्यकलाप तथा अतिरिक्त कार्यकलापको योजना तथा व्यवस्थापन

८. शिक्षक विद्यार्थी सहायता प्रणाली

- पाठ्यक्रमको अध्ययन :
- पाठ्यक्रमको अवधारणा महत्व असल पाठ्यक्रमको तत्वहरू
- सम्बन्धित विषयको तहगत र कक्षागत उद्देश्य, क्षेत्र र क्रम, शिक्षण प्रक्रिया र मूल्याङ्कन प्रक्रियाको अध्ययन
- सम्बन्धित विषयको पाठ्यक्रम र पाठ्य पुस्तकको अन्तरसम्बन्ध
- सम्बन्धित पाठ्य पुस्तकहरूको अध्ययन :
- शिक्षक निर्देशिका र यसको उपयोग
- शैक्षिक सामग्री, सन्दर्भ सामग्री, स्रोत सामग्री र तिनको प्रयोग
- अन्य सन्दर्भ स्रोतहरू (कम्प्युटर, इन्टरनेट, जर्नल)

९. शिक्षण विधि

- विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षण र शिक्षक केन्द्रित शिक्षण विधिहरू
- सम्बन्धित विषय शिक्षणमा उपयोग हुने सामान्य र विशेष विधि, प्रविधि तथा कार्यकलाप र तिनको प्रयोग
- शिक्षणको पूर्वतयारीका गतिविधि
- शैक्षिक सामग्रीहरूको तयारी, प्रयोग र भण्डारण

१०. विद्यार्थी मूल्याङ्कन

- मूल्याङ्कनको अवधारणा महत्व र उद्देश्य
- शिक्षणमा निर्माणात्मक र निर्णयात्मक मूल्याङ्कनको उपयोग
- विशिष्टीकरण तालिका निर्माण र प्रयोग
- परीक्षा र मूल्याङ्कनका साधन तथा तरिकाहरू
- नतिजा विश्लेषण र यसको उपयोग
- शिक्षणमा निरन्तर मूल्याङ्कन प्रणाली र यसको उपयोग
- शिक्षक निर्मित परीक्षाको वैधता तथा विश्वसनीयता
- नेपालमा विद्यार्थी मूल्याङ्कनमा देखिएका समस्या र समाधानका उपायहरू

११. कार्यमूलक अनुसन्धान

- कार्यमूलक अनुसन्धानको परिचय
- कार्यमूलक अनुसन्धान सञ्चालन प्रक्रिया
- कक्षाकोठाभित्र सम्बन्धित विषय शिक्षणका समस्याको पहिचान (विद्यार्थी सङ्ख्या, विद्यार्थीहरूको सामाजिक तथा भाषिक स्थिति, पाठ्यक्रम तथा पाठ्य पुस्तक, शिक्षक निर्देशिका, सिकाइ प्रक्रिया, भौतिक सुविधा, शैक्षिक सामग्री, र अन्य उपकरण)
- शैक्षणिक समस्या अध्ययन तथा खोजका लागि आवश्यक सामग्रीको विकास
- तथ्याङ्क सङ्कलन प्रक्रिया (अवलोकन, प्रयोग, परीक्षण)
- प्राप्त तथ्याङ्क तथा नतिजाको विश्लेषण र प्रतिवेदनको तयारी
- अनुसन्धानका निष्कर्षहरूको कक्षा शिक्षणमा उपयोग

विशिष्टीकरण तालिका

समय: ३ घण्टा
पूर्णाङ्क: १००

उत्तिर्णाङ्क: ४०

| क्र.सं. | पाठ्यक्रमको क्षेत्र | अति छोटो उत्तर आउने प्रश्न | सक्षिप्त उत्तर आउने प्रश्न | लामा/समस्या समाधान मूलक प्रश्न |
|---------|---------------------|-------------------------------|-------------------------------|-----------------------------------|
|---------|---------------------|-------------------------------|-------------------------------|-----------------------------------|

| | | प्रश्न संख्या | अंक भार | प्रश्न संख्या | अंक भार | प्रश्न संख्या | अंक भार |
|----|---|---------------|---------|---------------|---------|---------------|---------|
| | खण्ड (क) सामान्य शिक्षा | | | | | १ | १० |
| १ | नेपालको राष्ट्रिय शिक्षा प्रणाली | १ | २ | १ | ५ | | |
| २ | शिक्षामा नविनतम चिन्तन | १ | २ | १ | ५ | | |
| ३ | सिकाई र बालमनोविज्ञान | १ | २ | १ | ५ | | |
| ४ | विद्यालय समुदाय सम्बन्ध | १ | २ | १ | ५ | | |
| ५ | शिक्षकको पेशागत दक्षता विकास | १ | २ | १ | ५ | | |
| ६ | गुणस्तरिय शिक्षा | १ | २ | १ | ५ | | |
| | खण्ड (ख) शैक्षिक प्रक्रिया र व्यवस्थापन | | | | | १ | १० |
| ७ | कक्षाकोठा व्यवस्थापन तथा शैक्षणिक योजना | १ | २ | १ | ५ | | |
| ८ | शिक्षक विद्यार्थी सहायता प्रणाली | १ | २ | १ | ५ | | |
| ९ | शिक्षण विधि | १ | २ | १ | ५ | | |
| १० | विद्यार्थी मूल्याङ्कन | १ | २ | १ | ५ | | |
| ११ | कार्यमूलक अनुसन्धान | | | | | १ | १० |
| | जम्मा | १० | २० | १० | ५० | ३ | ३० |

खण्ड : क
सामान्य शिक्षा

१. नेपालको राष्ट्रिय शिक्षा प्रणाली
 - नेपालको संविधानमा शिक्षा सम्बन्धी व्यवस्था
 - शिक्षा मन्त्रालय र यस अन्तर्गतका विभाग तथा निकायहरूको सङ्गठन र कार्यहरू
 - शिक्षाका राष्ट्रिय उद्देश्य तथा तहगत उद्देश्यहरू
 - शैक्षिक तथ्याङ्कहरू (साक्षरता दर, भर्ना दर, शिक्षक विद्यार्थी अनुपात, विद्यालय विद्यार्थी अनुपात, तालिम प्राप्त शिक्षक अनुपात, महिला शिक्षक अनुपात, निरीक्षक विद्यालय अनुपात)
 - शिक्षा ऐन २०२८ (संशोधन सहित) तथा शिक्षा नियमावली २०५९ (संशोधन सहित)
 - शिक्षक सेवा आयोग नियमावली २०५७ (संशोधन सहित)
 - सबैका लागि शिक्षा राष्ट्रिय कार्य योजना
२. शिक्षामा नवीनतम चिन्तन
 - समाहित शिक्षा
 - मानव अधिकारमा आधारित शिक्षा
 - बालमैत्री र दण्डरहित शिक्षा
 - सामाजिक न्याय र शिक्षा
 - शिक्षामा लैङ्गिक समता र समानता
 - वैकल्पिक, खुला तथा दूर शिक्षा
 - शिक्षामा सूचना र प्रविधिको प्रयोग
 - अनौपचारिक शिक्षा
३. सिकाइ र बाल मनोविज्ञान
 - बाल मनोविज्ञानको अवधारणा र महत्व
 - बाल विकास र यसका चरण तथा प्रक्रिया
 - शारीरिक, सामाजिक, बौद्धिक र संवेगात्मक विकास
 - सिकाइका प्रभावक तत्वहरू
 - सिकाइ प्रक्रिया र त्यसको व्यवस्थापन
४. विद्यालय समुदाय सम्बन्ध
 - विद्यालय व्यवस्थापन समिति गाउँ शिक्षा समिति र जिल्ला शिक्षा समितिका गठन प्रक्रिया र कार्यहरू
 - विद्यालय सुधार योजना
 - अभिभावक-शिक्षक सङ्घ
 - शिक्षासँग सम्बन्धित गैरसरकारी संस्था र अन्य सामाजिक संस्थाको भूमिका
 - सामाजिक संस्थाको परिचालनमा शिक्षकको भूमिका
 - शिक्षकका पेसागत सङ्घ संस्थाको भूमिका
५. शिक्षकको पेसागत दक्षता विकास
 - शिक्षक तालिमको आवश्यकता र उपयोग
 - शिक्षकको पेसागत दक्षता विकासका उपायहरू
 - स्वाध्ययन, स्वाध्ययन सामग्रीका स्रोत तथा साधन र तिनको उपयोग
 - असल शिक्षक
६. गुणस्तरीय शिक्षा
 - गुणस्तरीय शिक्षाको अवधारणा महत्व
 - गुणस्तरीय शिक्षाका विशेषता
 - गुणस्तरीय शिक्षा प्रवर्धनमा शिक्षक अभिभावक र विद्यार्थीको भूमिका

खण्ड : ख

शैक्षिक प्रकृया र व्यवस्थापन

७. कक्षाकोठा व्यवस्थापन तथा शैक्षणिक योजना
 - कक्षा कोठाको व्यवस्थापन

- शैक्षणिक व्यवस्थापन (कक्षा शिक्षण, बहुकक्षा शिक्षण) विषय शिक्षण
- शिक्षक-विद्यार्थी सम्बन्ध
- विद्यार्थी-विद्यार्थी सम्बन्ध
- सामाजिक तथा भाषिक विविधताको व्यवस्थापन
- वार्षिक कार्य योजना र दैनिक पाठ योजनाको निर्माण
- सहकार्यकलापको योजना तथा व्यवस्थापन

८. शिक्षक विद्यार्थी सहायता प्रणाली

- पाठ्यक्रमको अध्ययन :
- सम्बन्धित विषयको तहगत र कक्षागत उद्देश्य, क्षेत्र र क्रम, शिक्षण प्रक्रिया र मूल्याङ्कन प्रक्रियाको अध्ययन
- सम्बन्धित विषयको पाठ्यक्रम र पाठ्य पुस्तकको अन्तरसम्बन्ध
- सम्बन्धित पाठ्य पुस्तकहरूको अध्ययन :
- शिक्षक निर्देशिका र यसको उपयोग
- शैक्षिक सामग्री, सन्दर्भ सामग्री, स्रोत सामग्री र तिनको प्रयोग
- अन्य सन्दर्भ स्रोतहरू (कम्प्युटर, इन्टरनेट, जर्नल)

९. शिक्षण विधि

- विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षण र शिक्षक केन्द्रित विधिहरू
- सम्बन्धित विषय शिक्षणमा उपयोग हुने सामान्य र विशेष विधि, प्रविधि तथा कार्यकलाप र तिनको प्रयोग
- शिक्षणको पूर्वतयारीका गतिविधि
- शैक्षिक सामग्रीहरूको तयारी, प्रयोग र भण्डारण
- शिक्षक-विद्यार्थी सम्बन्ध
- विद्यार्थी-विद्यार्थी सम्बन्ध

१०. विद्यार्थी मूल्याङ्कन

- मूल्याङ्कनको अवधकारणा उद्देश्य र महत्व
- शिक्षणमा निर्माणात्मक र निर्णयात्मक मूल्याङ्कनको उपयोग
- विशिष्टकरण तालिका निर्माण र उपयोग
- परीक्षा र मूल्याङ्कनका साधन तथा तरिकाहरू
- नतिजा विश्लेषण र यसको उपयोग
- शिक्षणमा निरन्तर मूल्याङ्कन प्रणाली र यसको उपयोग
- शिक्षक निर्मित परीक्षाको वैधता तथा विश्वसनीयता
- विद्यार्थी मूल्याङ्कनमा देखिएका समस्या र समाधानका उपायहरू

११. कार्यमूलक अनुसन्धान

- कार्यमूलक अनुसन्धानको परिचय
- कक्षाकोठाभित्र सम्बन्धित विषय शिक्षणका समस्याको पहिचान (विद्यार्थी सङ्ख्या, विद्यार्थीहरूको सामाजिक तथा भाषिक स्थिति, पाठ्यक्रम तथा पाठ्य पुस्तक, शिक्षक निर्देशिका, सिकाइ प्रक्रिया, भौतिक सुविधा, शैक्षिक सामग्री, र अन्य उपकरण)
- शैक्षणिक समस्या अध्ययन तथा खोजका लागि आवश्यक सामग्रीको विकास
- तथ्याङ्क सङ्कलन प्रक्रिया (अवलोकन, प्रयोग, परीक्षण)
- प्राप्त तथ्याङ्क तथा नतिजाको विश्लेषण र प्रतिवेदनको तयारी
- अनुसन्धानका निष्कर्षहरूको कक्षा शिक्षणमा उपयोग

विशिष्टकरण तालिका

समय: ३ घण्टा
पूर्णाङ्क: १००
उत्तिर्णाङ्क: ४०

| क्र.सं. | पाठ्यक्रमको क्षेत्र | अति छोटो उत्तर आउने प्रश्न | | संक्षिप्त उत्तर आउने प्रश्न | | लामो/समस्या समाधान मूलक प्रश्न | |
|---------|--------------------------|----------------------------|---------|-----------------------------|---------|--------------------------------|---------|
| | | प्रश्न संख्या | अंक भार | प्रश्न संख्या | अंक भार | प्रश्न संख्या | अंक भार |
| | खण्ड (क) सामान्य शिक्षा | | | | | १ | १० |
| १ | नेपालको राष्ट्रिय शिक्षा | १ | २ | १ | ५ | | |

| | | | | | | | |
|----|---|----|----|----|----|---|----|
| | प्रणाली | | | | | | |
| २ | शिक्षामा नवीनतम चिन्तन | १ | २ | १ | ५ | | |
| ३ | सिकाई र बालमनोविज्ञान | १ | २ | १ | ५ | | |
| ४ | विद्यालय समुदाय सम्बन्ध | १ | २ | १ | ५ | | |
| ५ | शिक्षकको पेशागत दक्षता विकास | १ | २ | १ | ५ | | |
| ६ | गुणस्तरिय शिक्षा | १ | २ | १ | ५ | | |
| | खण्ड (ख) शैक्षिक प्रक्रिया र व्यवस्थापन | | | | | १ | १० |
| ७ | कक्षाकोठा व्यवस्थापन तथा शैक्षणिक योजना | १ | २ | १ | ५ | | |
| ८ | शिक्षक विद्यार्थी सहायता प्रणाली | १ | २ | १ | ५ | | |
| ९ | शिक्षण विधि | १ | २ | १ | ५ | | |
| १० | विद्यार्थी मूल्याङ्कन | १ | २ | १ | ५ | | |
| ११ | कार्यमूलक अनुसन्धान | | | | | १ | १० |
| | जम्मा | १० | २० | १० | ५० | ३ | ३० |

प्राथमिक तह

खण्ड : क

सामान्य शिक्षा

१. नेपालको राष्ट्रिय शिक्षा प्रणाली

- नेपालको संविधान मा शिक्षा सम्बन्धी व्यवस्था
- शिक्षाका राष्ट्रिय उद्देश्य तथा प्राथमिक

शिक्षाका उद्देश्यहरू

- शिक्षाको संरचना (पूर्व प्राथमिकदेखि माध्यमिकसम्म)
- अनौपचारिक शिक्षा (वैकल्पिक विद्यालय, प्राथमिक शिक्षा विस्तार कार्यक्रम)
- शिक्षा ऐन २०२८ (संशोधन सहित) तथा शिक्षा नियमावली २०५९ (संशोधन सहित)
- शिक्षक सेवा आयोग नियमावली २०५७ (संशोधन सहित)

२. शिक्षामा नवीनतम चिन्तन

- समाहित शिक्षा
- बाल अधिकार र शिक्षा
- बालमैत्री र दण्डरहित शिक्षा
- सबैका लागि शिक्षा

३. सिकाई र बाल मनोविज्ञान

- प्राथमिक तहका बाल बालिकाको विकासका प्रभावक तत्वहरू
- बाल बालिकाको विकासमा वैयक्तिक भिन्नता
- बाल बालिकाको सिकाइका प्रभावक तत्वहरू
- सिकाइमा उत्प्रेरणा बढाउने उपायहरू

४. विद्यालय समुदाय सम्बन्ध

- विद्यालय र समुदायविच सम्बन्धको आवश्यकता
- विद्यालय व्यवस्थापन समिति र गाउँ शिक्षा समितिका गठन र कार्यहरू
- अभिभावक, शिक्षक र विद्यार्थीविच सम्बन्ध

५. शिक्षकको पेशागत दक्षता विकास

- शिक्षक तालिमको आवश्यकता र उपयोग
- शिक्षकको पेशागत दक्षता विकासका उपायहरू
- स्वाध्ययन सामग्रीका स्रोत तथा साधन र तिनको उपयोग
- असल शिक्षकको गुणहरू

६. गुणस्तरीय शिक्षा

- गुणस्तरीय शिक्षाको अवधारणा महत्व
- गुणस्तरीय शिक्षाका विशेषता
- गुणस्तरीय शिक्षा प्रवर्धनमा शिक्षकको भूमिका

खण्ड : ख

शैक्षिक प्रकृया र व्यवस्थापन

७. कक्षाकोठा व्यवस्थापन तथा शैक्षणिक योजना

- कक्षा कोठाको व्यवस्थापन

- प्राथमिक तहमा कक्षा शिक्षण, बहुकक्षा शिक्षण र विषय शिक्षण
- सामाजिक तथा भाषिक विविधताको व्यवस्थापन
- दैनिक पाठ योजनाको निर्माण

८. शिक्षक विद्यार्थी सहायता प्रणाली

- प्राथमिक तहको पाठ्यक्रमको तहगत र कक्षागत उद्देश्य, क्षेत्र र क्रमको अध्ययन
- प्राथमिक तहका पाठ्य पुस्तकहरूको अध्ययन र प्रयोग
- बाल सन्दर्भ सामग्रीहरूको उपयोग
- शिक्षक निर्देशिकाको अध्ययन र उपयोग
- पाठ्य पुस्तकको अभावमा पाठ्यक्रमबाट पठन पाठन र शिक्षक निर्मित सामग्रीको प्रयोग

९. शिक्षण विधि

- विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षण र शिक्षक केन्द्रित विधिहरू
- प्राथमिक तहमा विभिन्न विषय सिकाउँदा उपयोग हुने विधि, प्रविधि तथा कार्यकलाप र तिनको प्रयोग
- शिक्षणको पूर्वतयारी
- शिक्षक-विद्यार्थी सम्बन्ध

१०. विद्यार्थी मूल्याङ्कन

- मूल्याङ्कनको अवधारणा उद्देश्य र महत्व
- शिक्षण प्रक्रियामा मूल्याङ्कनको भूमिका
- परीक्षा र मूल्याङ्कनका साधन तथा तरिकाहरू
- शिक्षणमा निरन्तर मूल्याङ्कन र यसको उपयोग
- प्राथमिक तहमा विद्यार्थी मूल्याङ्कनमा देखिएका समस्या र सामाधान

११. कार्यमूलक अनुसन्धान

- कार्यमूलक अनुसन्धानको परिचय
- कक्षाकोठाभित्र विद्यार्थीका सिकाइ समस्याहरूको पहिचान
- समस्या अध्ययन विधि तथा प्रक्रिया
- समस्या अध्ययनका निष्कर्षहरूको कक्षा शिक्षणमा उपयोग

विशिष्टिकरण तालिका

समय: ३ घण्टा
पूर्णाङ्क: १००
उत्तिर्णाङ्क: ४०

| क्र.सं. | पाठ्यक्रमको क्षेत्र | अति छोटो उत्तर आउने प्रश्न | | संक्षिप्त उत्तर आउने प्रश्न | | लामा/समस्या समाधान मूलक प्रश्न | |
|---------|---|----------------------------|---------|-----------------------------|---------|--------------------------------|---------|
| | | प्रश्न संख्या | अंक भार | प्रश्न संख्या | अंक भार | प्रश्न संख्या | अंक भार |
| | खण्ड (क) सामान्य शिक्षा | | | | | १ | १० |
| १ | नेपालको राष्ट्रिय शिक्षा प्रणाली | १ | २ | १ | ५ | | |
| २ | शिक्षणमा नविनतम चिन्तन | १ | २ | १ | ५ | | |
| ३ | सिकाई र बालमनोविज्ञान | १ | २ | १ | ५ | | |
| ४ | विद्यालय समुदाय सम्बन्ध | १ | २ | १ | ५ | | |
| ५ | शिक्षकको पेशागत दक्षता विकास | १ | २ | १ | ५ | | |
| ६ | गुणस्तरिय शिक्षा | १ | २ | १ | ५ | | |
| | खण्ड (ख) शैक्षिक प्रक्रिया र व्यवस्थापन | | | | | १ | १० |
| ७ | कक्षाकोठा व्यवस्थापन तथा शैक्षणिक योजना | १ | २ | १ | ५ | | |
| ८ | शिक्षक विद्यार्थी सहायता प्रणाली | १ | २ | १ | ५ | | |
| ९ | शिक्षण विधि | १ | २ | १ | ५ | | |
| १० | विद्यार्थी मूल्याङ्कन | १ | २ | १ | ५ | | |
| ११ | कार्यमूलक अनुसन्धान | | | | | १ | १० |
| जम्मा | | १० | २० | १० | ५० | ३ | ३० |

नेपाल सरकार
शिक्षक सेवा आयोगबाट लिइने सबै तह र श्रेणीका शिक्षकहरूको २५% आ.प्र. बढुवा परीक्षाको संशोधित पाठ्यक्रम
माध्यमिक तह प्रथम र द्वितीय श्रेणी

पूर्णाङ्क : १००
उत्तीर्णाङ्क : ३५
समय : ३ घण्टा

खण्ड (क)
सामान्य शिक्षा

१. नेपालको संविधान, शिक्षा ऐन, नियम र राष्ट्रिय शिक्षा प्रणाली
 - नेपालको प्रचलित संविधान
 - शिक्षा ऐन, २०२८ र शिक्षा नियमावली, २०५९ (संशोधन सहित)
 - उच्च माध्यमिक शिक्षा ऐन, २०४६ नियमावली, २०५२
 - शिक्षक सेवा आयोग नियमावली २०५७ (संशोधनसहित)
 - शिक्षा मन्त्रालय र शिक्षा विभाग तथा विभागीय स्तरका निकायहरूको संगठन तथा कार्यहरू
 - राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारूप २०६३
 - शिक्षाका राष्ट्रिय तथा तहगत उद्देश्यहरू
 - नेपालका विभिन्न शिक्षा आयोग तथा समितिका प्रतिवेदनहरू २०११, २०२८, २०४९, २०५५, २०५८ (माध्यमिक तहसँग सम्बन्धित मात्र)
 - चालु योजनामा शिक्षाको नीति र कार्यक्रम
 - विद्यालय क्षेत्र सुधार कार्यक्रम (क्व्वा)
 - स्थानीय स्वायत्त शासन ऐन (२०५५) (शिक्षासँग सम्बन्धित मात्र)
 - स्थानीय स्वायत्त शासन नियमावली (२०५६) (शिक्षासँग सम्बन्धित मात्र)
 - शैक्षिक तथ्याङ्कहरू (साक्षरता दर, खुद भर्ना दर, सहजै देखिने भर्ना दर)
 - सामुदायिक विद्यालय व्यवस्थापन निर्देशिका
२. शैक्षणिक योजना र व्यवस्थापन तथा विद्यालय समुदाय सम्बन्ध
 - कक्षा-कोठा व्यवस्थापनका पक्षहरू
 - शैक्षणिक संगठन (कक्षा शिक्षण, विषय शिक्षण, बहुकक्षा शिक्षण)- को स्वरूप र महत्व
 - अतिरिक्त क्रियाकलापको योजना र कार्यान्वयन
 - सामाजिक विविधताको व्यवस्थापन
 - सामाजिक न्याय
 - खुला तथा अनौपचारिक शिक्षा
 - समाहित शिक्षा (Inclusive Education) को व्यवस्थापन
 - विशेष आवश्यकता शिक्षा (Special Needs Education)
 - विद्यालय सुधार योजना (SIP)
 - स्थानीय शिक्षा योजना (LEP)
 - चालु शैक्षिक परियोजनाहरू : स्वरूप, कार्यक्रम, कार्यान्वयन र व्यवस्थापन
 - शैक्षिक तालिम गोष्ठी/कार्यशाला व्यवस्थापन
 - विद्यालय र समुदायको सम्बन्ध
 - शिक्षक अभिभावक संघ (PTA)
 - शिक्षासँग सम्बन्धित गैरसरकारी संस्था र अन्य सामाजिक र पेसागत संस्थाको भूमिका
 - विद्यालय अभिभावक र शिक्षक सम्बन्ध
 - राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय सामाजिक (व्यावसायिक संघ संस्थाको भूमिका तथा कार्यहरू)
 - गा.वि.स., न.पा र जि.वि.स.को शैक्षिक उत्थानमा आवश्यक भूमिका
 - गाँउ शिक्षा समिति, जिल्ला शिक्षा समिति, विद्यालय व्यवस्थापन समिति
 - विद्यालयको सामाजिक परीक्षण (Social Audit)
 - स्रोत पहिचान सङ्कलन तथा परिचालन
३. बालमनोविज्ञान र बालअधिकार
 - किशोरावस्थाका सिकारुको सामाजिक, वैद्विक, संवेगात्मक र शारीरिक विकास तथा सिकाइमा यसको प्रभाव
 - किशोरावस्थाका सिकारुको सिकाइमा प्रभाव पार्ने तत्वहरू

- सिकाइमा उत्प्रेरणा जगाउने उपायहरू
- शैक्षणिक प्रविधि (Instructional Technology) को अर्थ, महत्व र उपयोग
- शिक्षण सिकाइमा सूचना प्रविधिको प्रयोग र महत्व
- बालअधिकार सम्बन्धी राष्ट्रिय अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि संझौताहरू
- बालमैत्री कक्षाकोठा र व्यवस्थापन शिक्षण
- बाल अदालतको अवधारणा

४. पेसागत दक्षता विकास

- शिक्षक तालिमको महत्व र प्रयोग
- शिक्षकको पेसागत दक्षता अभिवृद्धिका लागि शैक्षणिक सुधारका उपायहरू
- पेसागत अभिवृद्धिका तरिकाहरू/आधारहरू
- पेसागत क्षमताको कक्षाकोठामा प्रयोग
- सिकाइ उपलब्धि वृद्धिका लागि योजनावद्ध शिक्षण
- द्वन्द्व व्यवस्थापनमा शिक्षकको भूमिका
- शिक्षकको आचार संहिता र पेसागत उत्तरदायित्व
- नेतृत्व विकास
- शैक्षिक प्रविधिको छनोट र प्रयोग
- शिक्षणमा उपलब्ध सामग्रीहरूको नोट र प्रयोग
- शिक्षामा सूचना र संचार प्रविधिको प्रयोग

खण्ड (ख)

५. पाठ्यक्रम अध्ययन

आफूले अध्यापन गर्ने विषयमा तलका विषयवस्तुलाई आधार मानी विषय क्षेत्रमा निर्धारित किसिमका प्रश्नहरू सोधिने छन्। परीक्षार्थीले विषयवस्तुको पहिचान, विश्लेषण एवम् समीक्षा गरी उत्तर दिनु पर्नेछ।

- पाठ्यक्रमका आधारभूत पक्षहरू
- सम्बन्धित विषयका पाठ्यक्रमको स्वरूप
- असल पाठ्यक्रमका विशेषता
- पाठ्यक्रम निर्माणका चरणहरू
- पाठ्यक्रम निर्माणका लागि आवश्यकता विश्लेषण
- कक्षागत र विषयगत उद्देश्यहरू
- विषयवस्तुको निर्धारण र प्रस्तुती
- क्षेत्र तथा क्रम
- शिक्षण विधि
- मूल्याङ्कन प्रक्रिया
- पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तकवीचको अन्तरसम्बन्ध तथा प्रयोग
- स्वाध्ययन सामग्री, स्वाध्यायन सामग्रीको स्रोत र साधनहरू
- पाठ्यक्रम मूल्याङ्कन, परिमार्जन र कार्यान्वयन
- विशिष्टीकरण तालिका

६. शिक्षण सामग्री अध्ययन

- विषयगत आवश्यकतानुरूप शिक्षण विधिको चयन र प्रयोग
- दैनिक पाठयोजनाको निर्माण र प्रयोग
- वार्षिक कार्ययोजनाको निर्माण र प्रयोग
- शिक्षक निर्देशिकाको परिचय र प्रयोग
- शैक्षिक सामग्रीको उपादेयता
- विषयगत आवश्यकतानुरूप शैक्षिक सामग्रीको निर्माण र प्रयोग
- सन्दर्भ सामग्रीको परिचय र प्रयोग
- शिक्षण स्रोतसामग्रीको परिचय र प्रयोग
- उपचारात्मक शिक्षणका लागि अतिरिक्त सामग्रीको निर्माण र प्रयोग

७. परीक्षा मूल्याङ्कन र सुपरिवेक्षण

- निर्माणात्मक र निर्णयात्मक मूल्याङ्कनको साधनको निर्माण/प्रयोग
- परीक्षा र मूल्याङ्कनका साधन तथा तरिकाहरु
- मूल्याङ्कन नतिजा विश्लेषण एवं प्रयोग
- परीक्षा वाहेकका मूल्याङ्कन प्रणाली
- निरन्तर मूल्याङ्कन प्रणालीको परिचय र विशेषता
- निदानात्मक र उपचारात्मक मूल्याङ्कनका साधन
- मूल्याङ्कन फारामको विशिष्टीकरण तालिकाको प्रयोग
- प्रश्नपत्र र उत्तरकुञ्जिका निर्माण
- नेपालमा विद्यार्थी मूल्याङ्कनमा देखिएका कठिनाइ र समाधानका उपायहरु
- प्रश्न भण्डार (Question Bank) को निर्माण, संरक्षण तथा प्रयोग
- शिक्षणमा सुपरिवेक्षणको आवश्यकता
- सुपरिवेक्षणका आवश्यकताहरु र यसका पक्षहरु
- नेपालमा सुपरिवेक्षण व्यवस्था, समस्या र समाधानका उपायहरु
- सुपरिवेक्षण योजना

८. कार्यमूलक अनुसन्धान (Action Research)

- कक्षाकोठाको समस्याहरुको पहिचान (विद्यार्थी, शैक्षिक सामग्री, भौतिक सुविधा, शिक्षक, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यक्रम र शिक्षक निर्देशिका, अन्य प्रकारका शैक्षणिक उपकरण र सामग्री)
- समस्या अध्ययन र खोजका लागि स्रोत साधन र विकास
- तथ्याङ्क संकलन प्रक्रिया
- नतिजाको विश्लेषण
- उपलब्धिहरुको कक्षा कोठामा प्रयोग
- घटना/मामला अध्ययन

९. समस्या समाधान

५४४.२०

आफूले अध्यापन गराउने विषयमा तलका विषयवस्तुलाई आधार मानी एउटा समस्या दिइने छ र ५ ओटा साना साना प्रश्नहरु सोधिने छन् । परीक्षार्थीले समस्याको पहिचान, समाधान एवं सुधारका उपायहरु पत्ता लगाई छोटो उत्तर दिनुपर्नेछ ।

- पाठ्यक्रम
- शैक्षणिक योजना
- कक्षा व्यवस्थापन
- शिक्षण विधि
- शैक्षिक सामग्री
- कार्यमूलक अनुसन्धान
- विद्यार्थी मूल्याङ्कन
- सिकाइमा शैक्षणिक समस्या र सिकाइको स्तर
- शैक्षणिक सुधार

विशिष्टिकरण तालिका
आन्तरिक बहुवा प्रतियोगितात्मक लिखित परीक्षा
माध्यमिक तह प्रथम र द्वितीय श्रेणी

समय : ३ घण्टा
पूर्णाङ्क : १००
उत्तिर्णाङ्क : ३५

| क्र.सं. | पाठ्यक्रमको क्षेत्र | अति छोटो उत्तर आउने प्रश्न | अंकभार | सक्षिप्त उत्तर आउने प्रश्नसंख्या | अंकभार | समस्या समाधानमूलक प्रश्न संख्या | अंकभार |
|--------------------------------|--|----------------------------|--------|----------------------------------|--------|---------------------------------|--------|
| सामान्य शिक्षा खण्ड (क) | | | | | | | |
| १ | नेपालको संविधान, शिक्षा ऐन नियम र राष्ट्रिय शिक्षा प्रणाली | १ | २ | १ | ८ | | |
| २ | शैक्षणिक योजना र व्यवस्थापन तथा विद्यालय समुदाय सम्बन्ध | १ | २ | १ | ८ | | |
| ३ | वालमनोविज्ञान र वाल अधिकार | १ | २ | १ | ८ | | |
| ४ | पेसागत दक्षता विकास | १ | २ | १ | ८ | | |
| खण्ड (ख) | | | | | | | |
| ५ | पाठ्यक्रम अध्ययन | १ | २ | १ | ८ | | |
| ६ | शिक्षण सामग्री अध्ययन | १ | २ | १ | ८ | | |
| ७ | परीक्षा मूल्याङ्कन र सुपरिवेक्षण | १ | २ | १ | ८ | | |
| ८ | कार्यमूलक अनुसन्धान | १ | २ | १ | ८ | | |
| ९ | समस्या समाधान | | | | | १ (४×५) | २० |
| जम्मा प्रश्न संख्या र अंकभार | | ८ | १६ | ८ | ६४ | १ | २० |

निम्नमाध्यमिक तह प्रथम र द्वितीय श्रेणी

खण्ड 'क'
सामान्य शिक्षा

पूर्णाङ्क : १००
उत्तिर्णाङ्क : ३५
समय : ३ घण्टा

१. **नेपालको संविधान, शिक्षा ऐन नियम र राष्ट्रिय शिक्षा प्रणाली**
 - नेपालको संविधान (शिक्षा सम्बन्धी)
 - शिक्षा ऐन, २०२८ र शिक्षा नियमावली, २०५७ (संसोधन सहित)
 - शिक्षक सेवा आयोग नियमावली, २०५९ (संसोधन सहित)
 - स्थानीय स्वायत्त शासन ऐन २०५५ र नियमावली २०५६ (संसोधन सहित-शिक्षासँग सम्बन्धित मात्र)
 - शैक्षिक प्रशासनको संरचना -शिक्षा मन्त्रालयदेखि विद्यालय तहसम्म
 - शिक्षाका राष्ट्रिय तथा तहगत उद्देश्यहरू
 - शैक्षिक तथ्याङ्कहरू (साक्षरता दर, खुद भर्नादर, सहजै देखिने भर्नादर, विद्यार्थी शिक्षक अनुपात, तालिम प्राप्त शिक्षक अनुपात, विद्यालय निरीक्षक अनुपात)
 - शिक्षा आयोगको प्रतिवेदन (२०२८, २०४९ र २०५५) (निम्नमाध्यमिक शिक्षासँग सम्बन्धित खण्डमात्र)
 - सबैको लागि शिक्षा कार्यक्रम
 - अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम
 - बालविकास कार्यक्रम
 - विद्यालय क्षेत्र सुधार कार्यक्रम १९९०
 - राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारूप २०६३
 - सामुदायिक विद्यालय व्यवस्थापन निर्देशिका
२. **शैक्षणिक योजना व्यवस्थापन तथा विद्यालय समुदाय सम्बन्ध**
 - स्थानीय स्तरमा उपलब्ध ज्ञान तथा स्रोतका आधारमा योजना निर्माण तथा कार्यक्रम व्यवस्थापन, दैनिक, वार्षिक कार्ययोजना, एकाई योजना
 - वालमैत्री कक्षाकोठा व्यवस्थापन र यसका सबल पक्षहरू
 - विद्यालयको वार्षिक क्रियाकलाप योजना
 - कक्षाकोठाको संगठन
 - समाहित शिक्षा (Inclusive Education) को व्यवस्थापन

- विद्यार्थीलाई सामाजिकीकरण गर्ने सीप
- विद्यार्थी-विद्यार्थी, शिक्षक-शिक्षक, समुदाय-समुदाय, विद्यार्थी-शिक्षक, विद्यार्थी-समुदाय, शिक्षक-समुदाय बीचका अन्तरक्रियाका उपायहरू
- समुदायसम्म विद्यालयलाई लैजाने सहकार्य योजना निर्माण
- विद्यालय व्यवस्थापन समिति, गाउँ शिक्षा समिति, जिल्ला शिक्षा समिति र शिक्षकहरू बीच सह-सम्बन्धका तरीकाहरू
- अभिभावक र शिक्षकका बीच सह-सम्बन्ध, शिक्षक अभिभावक संघ (PTA) को गठन र कार्य
- शैक्षिक तालिम केन्द्र (ETC) र स्रोतकेन्द्र र विद्यालय बीचको सम्बन्ध
- लेखा परिक्षण
- सामाजिक लेखा परिक्षण (Social Audit)

३. बालमनोविज्ञान र बाल अधिकार

- बालविकासका चरणहरू
- उत्तर बाल्यावस्थाका विशेषताहरू, विकासात्मक कार्यहरू, सीपहरू, वाचन विकास, सम्बेगात्मक, सामाजिक व्यवहार, बुझाइको विकास, शारीरिक विकास, बौद्धिक तथा मानसिक विकास, भाषा विकास, पारिवारिक सम्बन्ध, व्यक्तित्व परिवर्तन, संकट, सुखीपन
- बाल अधिकार र सिकाईबीच सम्बन्ध
- बाल सिकाई प्रक्रिया र सिकाइका सिद्धान्तहरू
- शिक्षामा आधुनिक चिन्तन -सिकाइका चार स्तम्भहरू : जान्नको लागि सिक्ने, गर्नको लागि सिक्ने, हुनको लागि सिक्ने, सँगै बस्नको लागि सिक्ने Learning to know, learning to do, learning to be, learning to live together.
- शिक्षकको लागि बाल मनोविज्ञानको महत्व

४. पेशागत दक्षता विकास

- शिक्षकका गुणहरू
- शिक्षक तालिमको महत्व र कक्षाकोठामा यसको उपयोग
- पेशागत दक्षता अभिवृद्धिका लागि शैक्षणिक सुधारका उपायहरू
- स्वाअध्ययन, स्वाध्यायन सामाग्रीको स्रोत र साधनको प्रभावकारी रूपमा प्रयोग गर्ने सीप र दक्षता
- असल शिक्षकका गुणहरू (प्राज्ञिक, व्यक्तिगत, सामाजिक र प्रशासनिक)
- विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षण विधिहरू
- द्वन्द्व व्यवस्थापनमा शिक्षकको भुमिका
- शिक्षकको आचारसंहिता र पेशागत उत्तरदायित्व
- शैक्षणिक प्रविधिहरूको छनौट र प्रयोग
- शिक्षणमा उपलब्ध सामाग्रीहरूको छनौट र प्रयोग
- मातृभाषा शिक्षणका महत्व र कठिनाइहरू
- शिक्षामा सुचना र संचार प्रविधि (ICT) को प्रयोग

खण्ड 'ख'

५. पाठ्यक्रम अध्ययन

- पाठ्यक्रम अध्ययन (नि.मा.वि. को मात्र)
- पाठ्यक्रमका क्षेत्र तथा क्रमहरू
- विषयगत पाठ्यभार पूर्णाङ्क, उत्तीर्णाङ्क
- पाठ्यक्रमको सिंहावलोकन

६. शिक्षण सामाग्री अध्ययन

- शिक्षण विधिहरू
- दैनिक पाठयोजना र वार्षिक पाठयोजनाको निर्माण र प्रयोग
- पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक, शिक्षक निर्देशिका, शैक्षिक सामग्रीहरू, शिक्षण स्रोत सामग्री र सन्दर्भ सामग्रीको प्रभावकारी प्रयोग
- स्थानीय पाठ्य सामग्रीको निर्माण र प्रयोग
- विषय विशिष्टीकरण, विषयवस्तु र प्रश्न

७. परीक्षा, मूल्याङ्कन र सुपरिवेक्षण

- आवधिक परीक्षा र विद्यार्थीहरूको उपलब्धी

- जिल्ला स्तरीय परीक्षा
- निर्माणात्मक र निर्णयात्मक मूलाङ्कनको उपयोग
- परीक्षा र मूल्याङ्कनका साधन, निर्माण र प्रयोग, उत्तर कुञ्जिकाको निर्माण , प्रयोग र यसको महत्व
- नतिजा विश्लेषण तथा प्रयोग
- निरन्तर मूल्याङ्कन पद्धति
- विद्यार्थी मूल्याङ्कनका देखिएका चुनौतीहरू र समाधानका उपायहरू
- असल प्रश्नका विशेषताहरू
- सुपरिवेक्षणका संयन्त्र निर्माण र प्रयोग

८. कार्यमूलक अनुसन्धान (Action Research) र घटना अध्ययन (Case Study)

- कक्षाकोठाका समस्याहरूको पहिचान, भौतिक, विद्यार्थी, शिक्षण गतिविधि र सहयोगी सामग्रीहरू
- समाधानका विकल्पहरूको खोजी र प्रयोग
- तथ्याङ्क संकलन प्रकृया
- नतिजाको विश्लेषण
- देखिएका समस्याहरूको समुदाय र कक्षाकोठाबाट समाधान वा समाधानका उपाय
- घटना मामला अध्ययन

९. समस्या समाधान

आफूले अध्यापन गराउने विषयमा तलका विषयबस्तुलाई आधार मानि एउटा समस्या दिइने छ र दुईवटा प्रश्नहरू सोधिने छन् परीक्षार्थीले समस्याको पहिचान, समाधान एवं सुधारका उपायहरू पत्ता लगाई उत्तर दिनुपर्नेछ ।

- शैक्षणिक योजना
- कक्षा व्यवस्थापन
- शिक्षण विधि
- शैक्षिक सामग्री
- कार्यमूलक अनुसन्धान
- विद्यार्थी मूल्याङ्कन
- सिकाइमा शैक्षणिक समस्या र सिकाइको स्तर
- शैक्षणिक सुधार

विशिष्टिकरण तालिका
आन्तरिक बढुवा प्रतियोगितात्मक लिखित परीक्षा
निम्नमाध्यमिक तह प्रथम र द्वितीय श्रेणी

समय : ३ घण्टा
पूर्णङ्क : १००
उत्तिर्णाङ्क : ३५

| क्र.सं. | पाठ्यक्रमको क्षेत्र | अति छोटो उत्तर आउने प्रश्न | अंकभार | संक्षिप्त उत्तर आउने प्रश्न संख्या | अंकभार | समस्या समाधानमूलक प्रश्न संख्या | अंकभार |
|-------------------------------------|--|----------------------------|-----------|------------------------------------|-----------|---------------------------------|-----------|
| सामान्य शिक्षा खण्ड (क) | | | | | | | |
| १ | नेपालको संविधान, शिक्षा ऐन नियम र राष्ट्रिय शिक्षा प्रणाली | १ | २ | १ | ८ | | |
| २ | शैक्षणिक योजना र व्यवस्थापन तथा विद्यालय समुदाय सम्बन्ध | १ | २ | १ | ८ | | |
| ३ | बालमनोविज्ञान र बाल अधिकार | १ | २ | १ | ८ | | |
| ४ | पेसागत दक्षता विकास | १ | २ | १ | ८ | | |
| खण्ड (ख) | | | | | | | |
| ५ | पाठ्यक्रमको अध्ययन | १ | २ | १ | ८ | | |
| ६ | शिक्षण सामग्री अध्ययन | १ | २ | १ | ८ | | |
| ७ | परीक्षा मूल्याङ्कन र सुपरिवेक्षण | १ | २ | १ | ८ | | |
| ८ | कार्यमूलक अनुसन्धान र घटना अध्ययन | १ | २ | १ | ८ | | |
| ९ | समस्या समाधान | | | | | १ (४×५) | २० |
| जम्मा प्रश्न संख्या र अंकभार | | ८ | १६ | ८ | ६४ | १ | २० |

प्राथमिक तह प्रथम र द्वितीय श्रेणी

खण्ड (क)
सामान्य शिक्षा

पूर्णाङ्क : १००
उत्तीर्णाङ्क : ३५
समय : ३ घण्टा

१. नेपालको संविधान, शिक्षा ऐन, नियम र राष्ट्रिय शिक्षा प्रणाली :
 - (क) प्रचलित संविधानमा शिक्षा सम्बन्धी व्यवस्था
 - (ख) शिक्षा ऐन, २०२८ तथा शिक्षा नियमावली, २०५९ संशोधन सहित
 - (ग) शिक्षक सेवा आयोग नियमावली, २०५७ संशोधन सहित
 - (घ) शिक्षाका राष्ट्रिय तथा प्राथमिक तहगत उद्देश्य
 - (ङ) शिक्षा आयोगका प्रतिवेदन २०२८, २०४९, २०५५ (प्राथमिक तहसँग सम्बन्धित मात्र)
 - (च) चालु योजनामा शिक्षाको नीति तथा कार्यक्रम
 - (छ) स्थानीय स्वायत्त शासन ऐन, २०५५ र नियमावली, २०५६ (शिक्षासँग सम्बन्धित)
 - (ज) शैक्षिक तथ्याङ्कहरूको जानकारी

२. शैक्षणिक योजना, व्यवस्थापन तथा विद्यालय समुदाय सम्बन्ध :
 - (क) शैक्षणिक संगठन - कक्षा शिक्षण, विषय शिक्षण, बहुकक्षा शिक्षण
 - (ख) समाहित शिक्षा
 - (ग) कक्षाकोठा व्यवस्थापन, बहुभाषिक कक्षाकोठा व्यवस्थापन
 - (घ) खुला शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, बाल शिक्षा र सबैका लागि शिक्षा
 - (ङ) सह-क्रियाकलापको योजना र कार्यान्वयन
 - (च) सामाजिक विविधताको व्यवस्थापन र सामाजिक न्याय
 - (छ) स्थानीय शिक्षा योजना र शिक्षामा स्थानीय निकायको दायित्व र भूमिका
 - (ज) विद्यालय समुदाय सम्बन्ध र विद्यालय अभिभावक सम्बन्ध
 - (झ) शिक्षक अभिभावक संघ

- (ज) विद्यालय व्यवस्थापन समिति
- (ट) विद्यालयको सामाजिक परीक्षण (Social audit)
- (ट) स्रोत पहिचान, संकलन तथा परिचालन

३. बालमनोविज्ञान र बाल अधिकार :

- (क) बालविकासका चरणहरु
- (ख) शिशु तथा पूर्ववाल्यावस्थाका मनोवैज्ञानिक पक्ष
- (ग) प्राथमिक तहमा सिकाइमा उत्प्रेणा र यसका प्रक्रियाहरु
- (घ) बालमैत्री कक्षाकोठा व्यवस्थापन तथा शिक्षण सिकाइ
- (ङ) बाल अधिकार र सिकाइ बीचको सम्बन्ध
- (च) बाल अधिकार सम्बन्धी राष्ट्रिय / अन्तर्राष्ट्रिय सन्धी सम्झौताहरु

४. पेशागत दक्षता :

- (क) शिक्षक तालिमको महत्व र प्रयोग
- (ख) शिक्षकको पेशागत दक्षता अभिवृद्धिका लागि शैक्षणिक सुधारका उपायहरु
- (ग) पेशागत क्षमताको कक्षाकोठामा प्रयोग
- (घ) सिकाइ उपलब्धि वृद्धिका लागि योजनाबद्ध शिक्षण
- (ङ) द्वन्द्व व्यवस्थापनमा शिक्षकको भूमिका
- (च) शैक्षिक नेतृत्व विकास
- (छ) शिक्षकको आचारसंहिता र पेशागत उत्तरदायित्व
- (ज) शिक्षकका गुणहरु

खण्ड (ख)

५. पाठ्यक्रमको अध्ययन :

- (क) पाठ्यक्रम निर्माणका आधारहरु र पाठ्यक्रमको स्वरुप
- (ख) असल पाठ्यक्रमका विशेषताहरु
- (ग) प्राथमिक तहको प्रचलित पाठ्यक्रमको अध्ययन
- (घ) कक्षागत विषयगत उद्देश्य, क्षेत्र तथा क्रम
- (ङ) शिक्षणविधि यसका किसिम तथा प्रयोग
- (च) सिकाइ मूल्याङ्कन प्रक्रिया
- (छ) पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक बीचको अन्तरसम्बन्ध तथा प्रयोग (प्राथमिक तह)
- (ज) पाठ्यक्रमको मूल्याङ्कन तथा परिमार्जन
- (झ) विशिष्टिकरण तालिका निर्माण तथा प्रयोग

६. शिक्षण सामग्रीको अध्ययन :

- (क) प्राथमिक तहका लागि विषयगत शिक्षणका विधिहरु, प्रविधि तथा प्रयोग
- (ख) दैनिक पाठयोजना र वार्षिक पाठयोजनाको निर्माण र प्रयोग
- (ग) शिक्षक निर्देशिकाको परिचय र प्रयोग
- (घ) शैक्षिक सामग्रीको परिचय, निर्माण, प्रयोग तथा व्यवस्थापन (No cost and low cost mterial)
- (ङ) शिक्षण स्रोत सामग्रीको परिचय र प्रयोग
- (च) उपचारात्मक शिक्षण सामग्री

७. परीक्षा, मूल्याङ्कन र सुपरीवेक्षण :

- (क) निर्माणात्मक र निर्णयात्मक मूल्याङ्कनका साधनको निर्माण र प्रयोग
- (ख) प्राथमिक तहमा परीक्षा र मूल्याङ्कनका साधन तथा तरिकाहरु
- (ग) निरन्तर मूल्याङ्कन प्रणालीको परिचय, विशेषता र प्रयोग
- (घ) मूल्याङ्कन नतिजा विश्लेषण एवं प्रयोग
- (ङ) परीक्षा बाहेकका मूल्याङ्कनका अन्य साधनहरु
- (च) मूल्याङ्कनका साधनमा विशिष्टिकरण तालिकाको प्रयोग
- (छ) प्रश्नपत्र र उत्तरकुञ्जिका निर्माण
- (ज) नेपालमा प्राथमिक तहमा विद्यार्थी मूल्याङ्कनमा देखिएका कठिनाइ र समाधानका उपाय
- (झ) शिक्षणमा सुपरीवेक्षणको आवश्यकता र प्रयोग

- (अ) नेपालमा सुपरीवेक्षण व्यवस्थाका समस्या तथा समाधानका उपाय (प्राथमिक तह)
(ट) सुपरिवेक्षण योजना(प्राथमिक तह)

८. कार्यमूलक अनुसन्धान :

- (क) प्राथमिक कक्षाकोठाका समस्याहरुको पहिचान (विद्यार्थी, शैक्षिक सामग्री, भौतिक सुविधा, शिक्षक, पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक, शिक्षक निर्देशिका तथा अन्य शैक्षणिक सामग्री र उपकरण)
(ख) समस्या अध्ययन र खोजका लागि स्रोत तथा साधनको विकास
(ग) तथ्याङ्क संकलन प्रक्रिया
(घ) नतिजाको विश्लेषण
(ङ) उपलब्धिहरुको कक्षाकोठामा प्रयोग
(च) घटना-मामला अध्ययन

९. समस्या समाधान :

प्राथमिक तहमा आफूले अध्यापन गराउने विषयमा तल उल्लेखित विषयवस्तुहरुलाई आधार मानी दिइएको समस्याको पहिचान, समाधान एवं सुधारका उपायहरु प्रस्तुत गर्नुपर्ने छ ।

- (क) पाठ्यक्रम
(ख) शैक्षणिक योजना
(ग) कक्षा व्यवस्थापन
(घ) शिक्षण विधि
(ङ) शैक्षिक सामग्री
(च) कार्यमूलक अनुसन्धान/मामिला अध्ययन
(छ) विद्यार्थी मूल्याङ्कन
(ज) सिकाइमा शैक्षणिक समस्या र सिकाइको स्तर
(झ) शैक्षणिक सुधार

विशिष्टिकरण तालिका
आन्तरिक बहुवा प्रतियोगितात्मक लिखित परीक्षा
प्राथमिक तह प्रथम र द्वितीय श्रेणी

समय : ३ घण्टा
पूर्णङ्क : १००
उत्तिर्णाङ्क : ३५

| क्र.सं. | पाठ्यक्रमको क्षेत्र | अति छोटो उत्तर आउने प्रश्न | अंकभार | सक्षिप्त उत्तर आउने प्रश्न संख्या | अंकभार | समस्या समाधानमूलक प्रश्न संख्या | अंकभार |
|-------------------------------------|--|----------------------------|--------|-----------------------------------|--------|---------------------------------|--------|
| सामान्य शिक्षा खण्ड (क) | | | | | | | |
| १ | नेपालको संविधान, शिक्षा ऐन नियम र राष्ट्रिय शिक्षा प्रणाली | १ | २ | १ | ८ | | |
| २ | शैक्षणिक योजना र व्यवस्थापन तथा विद्यालय समुदाय सम्बन्ध | १ | २ | १ | ८ | | |
| ३ | बालमनोविज्ञान र बाल अधिकार | १ | २ | १ | ८ | | |
| ४ | पेसागत दक्षता विकास | १ | २ | १ | ८ | | |
| खण्ड (ख) | | | | | | | |
| ५ | पाठ्यक्रमको अध्ययन | १ | २ | १ | ८ | | |
| ६ | शिक्षण सामग्री अध्ययन | १ | २ | १ | ८ | | |
| ७ | परीक्षा मूल्याङ्कन र सुपरिवेक्षण | १ | २ | १ | ८ | | |
| ८ | कार्यमूलक अनुसन्धान | १ | २ | १ | ८ | | |
| ९ | समस्या समाधान | | | | | १ (४×५) | २० |
| जम्मा प्रश्न संख्या र अंकभार | | ८ | १६ | ८ | ६४ | १ | २० |

द्रष्टव्य: उपरोक्तानुसार अध्यापन अनुमतिपत्र र आन्तरिक प्रतियोगितात्मक शिक्षक बहुवाका संशोधित पाठ्यक्रमहरु गोरखापत्रमा प्रकाशित मिति (२०६७।४।७ गते) बाट ३ महीनापछि हुने लिखित परीक्षादेखि कार्यान्वयन हुनेछ ।

**शिक्षक सेवा आयोगबाट २०६६ सालमा
वितरण गरिएको स्थायी अध्यापन अनुमतिपत्रको
जिल्ला तथा क्षेत्रगत विवरण**

| क्र.सं. | कोड नं. | जिल्ला | चेकमार्क | मा.वि. | चेकमार्क | नि.मा.वि. | चेकमार्क | प्रा.वि. | कुल जम्मा |
|------------------|---------|----------------|----------|--------|----------|-----------|----------|----------|--------------|
| | | | | २०६६ | | २०६६ | | २०६६ | |
| १ | १ | ताप्लेजुङ | | ५५ | | १६९ | | १४५ | ३६९ |
| २ | २ | पांचथर | | ८३ | | ४४९ | | १३२ | ६६४ |
| ३ | ३ | ईलाम | | १४९ | | ८०५ | | १०४ | १,०५८ |
| ४ | ४ | भापा | | २३२ | | १०१५ | | ४२ | १,२८९ |
| ५ | ५ | संखुवासभा | | १०० | | ३६५ | | ६२ | ५२७ |
| ६ | ६ | तेह्रथुम | | ३० | | १४३ | | ४५ | २१८ |
| ७ | ७ | धनकुटा | | १३६ | | ६६१ | | ३२ | ८२९ |
| ८ | ८ | भोजपुर | | ३६ | | ७५ | | ४९ | १६० |
| ९ | ९ | मोरङ | | ३७६ | | १२२५ | | ८०० | २,४०१ |
| १० | १० | सुनसरी | | १७२ | | ६९४ | | ६४१ | १,५०७ |
| ११ | ११ | सोलुखुम्बु | | ५९ | | २९४ | | १६४ | ५१७ |
| १२ | १२ | खोटाङ | | ८७ | | २३८ | | ८५ | ४१० |
| १३ | १३ | ओखलढुंगा | | ९३ | | ४६३ | | २७७ | ८३३ |
| १४ | १४ | उदयपुर | | १४९ | | ७५४ | | ४२९ | १,३३२ |
| १५ | १५ | सप्तरी | | ३५६ | | १०६१ | | ९२७ | २,३४४ |
| १६ | १६ | सिरहा | | २६५ | | ७३९ | | ६६५ | १,६६९ |
| पूर्वाञ्चल जम्मा | | | | २,३७८ | | ९,१५० | | ४,५९९ | १६,१२७ |
| १७ | १७ | दोलखा | | १०२ | | ४१४ | | २०२ | ७१८ |
| १८ | १८ | रामेछाप | | १७१ | | ६६५ | | ३७८ | १,२१४ |
| १९ | १९ | सिन्धुली | | २१२ | | ६७८ | | २८० | १,१७० |
| २० | २० | धनुषा | | २१५ | | ४५१ | | ५५७ | १,२२३ |
| २१ | २१ | महोत्तरी | | ८० | | २०९ | | २६२ | ५५१ |
| २२ | २२ | सर्लाही | | २७६ | | ६०७ | | ८७३ | १,७५६ |
| २३ | २३ | सिन्धुपाल्चोक | | १२४ | | ९११ | | १८१ | १,२१६ |
| २४ | २४ | रसुवा | | २९ | | १७८ | | २६ | २३३ |
| २५ | २५ | नुवाकोट | | ११५ | | ५९३ | | १२७ | ८३५ |
| २६ | २६ | धादिङ | | १०९ | | ७८५ | | २४९ | १,१४३ |
| २७ | २७ | काभ्रेपलान्चोक | | ३२२ | | ११९१ | | १७६ | १,६८९ |
| २८ | २८ | भक्तपुर | | २५१ | | ६७० | | ४४ | ९६५ |
| २९ | २९ | काठमाडौं | | २५१५ | | ४५१९ | | १४८ | ७,१८२ |
| ३० | ३० | ललितपुर | | २०६ | | ४६० | | १२३ | ७८९ |
| ३१ | ३१ | मकवानपुर | | २१८ | | ८७७ | | १८६ | १,२८१ |
| ३२ | ३२ | चितवन | | ४१३ | | १९१९ | | १३० | २,४६२ |
| ३३ | ३३ | रौतहट | | २०३ | | ६६५ | | ९५९ | १,८२७ |
| ३४ | ३४ | वाराणसी | | १४७ | | ५३० | | १४५८ | २,१३५ |
| ३५ | ३५ | पर्सो | | १९८ | | ६४५ | | ७४१ | १,५८४ |
| मध्यमाञ्चल जम्मा | | | | ५,९०६ | | १६,९६७ | | ७,१०० | २९,९७३ |
| ३६ | ३६ | गोरखा | | १२८ | | ५५२ | | ७६ | ७५६ |
| ३७ | ३७ | मनाङ | | ४ | | २३ | | १६ | ४३ |
| ३८ | ४० | लमजुङ | | ११४ | | ३८७ | | ५३ | ५५४ |
| ३९ | ४१ | कास्की | | ५६५ | | २१०६ | | ४९ | २,७२० |

| क्र.सं. | कोड नं. | जिल्ला | चेकमार्क | मा.वि. | चेकमार्क | नि.मा.वि. | चेकमार्क | प्रा.वि. | कुल जम्मा |
|-------------------|---------|------------|----------|--------|----------|-----------|----------|----------|-----------|
| | | | | २०६६ | | २०६६ | | २०६६ | |
| ४० | ४२ | तनहुँ | | १४७ | | ६८६ | | ४२ | ८७५ |
| ४१ | ४३ | स्याङ्जा | | २०७ | | ९११ | | ७० | १,१८८ |
| ४२ | ४४ | नवलपरासी | | १९३ | | १२७५ | | २११ | १,६७९ |
| ४३ | ४५ | पाल्पा | | २८७ | | १०८९ | | १५३ | १,५२९ |
| ४४ | ४६ | गुल्मी | | १३६ | | ४१५ | | ७४ | ६२५ |
| ४५ | ४७ | अर्घाखाँची | | १३० | | ५२४ | | १२५ | ७७९ |
| ४६ | ४८ | रूपन्देही | | ४५० | | २१३३ | | २५० | २,८३३ |
| ४७ | ४९ | कपिलवस्तु | | १७९ | | ७०९ | | ३२८ | १,२१६ |
| ४८ | ५० | मुस्ताङ | | १ | | २४ | | ७ | ३२ |
| ४९ | ५१ | म्याग्दी | | ४७ | | १४६ | | ५८ | २५१ |
| ५० | ५२ | वाग्लुङ | | १०१ | | ५१३ | | १०० | ७१४ |
| ५१ | ५३ | पर्वत | | ७० | | ३७७ | | ६४ | ५११ |
| पश्चिमाञ्चल जम्मा | | | | २,७५९ | | ११,८७० | | १,६७६ | १६,३०५ |
| ५२ | ५४ | रूकुम | | १३४ | | ८०५ | | ५४७ | १,४८६ |
| ५३ | ५५ | रोल्पा | | ४३ | | २२२ | | १६६ | ४३१ |
| ५४ | ५६ | सल्यान | | ५६ | | ६८४ | | ५९९ | १,३३९ |
| ५५ | ५७ | प्युठान | | ७० | | २३७ | | १२९ | ४३६ |
| ५६ | ५८ | दाङ | | २४२ | | ८५६ | | २०२ | १,३०० |
| ५७ | ५९ | हुम्ला | | १२ | | ७० | | २२ | १०४ |
| ५८ | ६० | मुगु | | १७ | | १२० | | ११६ | २५३ |
| ५९ | ६१ | डोल्पा | | २४ | | ८० | | ५२ | १५६ |
| ६० | ६२ | कालिकोट | | ४५ | | ३७१ | | ३४१ | ७५७ |
| ६१ | ६३ | जुम्ला | | ५६ | | २५२ | | ८२ | ३९० |
| ६२ | ६४ | जाजरकोट | | ७२ | | ४७१ | | ६१० | १,१५३ |
| ६३ | ६५ | दैलेख | | १०७ | | ४३० | | १६४ | ७०१ |
| ६४ | ६६ | सुर्खेत | | ३६१ | | १३१० | | १८६ | १,८५७ |
| ६५ | ६७ | बाँके | | २२३ | | ९१३ | | ३१५ | १,४५१ |
| ६६ | ६८ | बर्दिया | | ११५ | | ८९७ | | ११७ | १,१२९ |
| मध्यपश्चिम जम्मा | | | | १,५७७ | | ७,७१८ | | ३,६४८ | १२,९४३ |
| ६७ | ६९ | बाजुरा | | ५७ | | ३६३ | | २४१ | ६६१ |
| ६८ | ७० | बझाङ | | ११४ | | ६३२ | | ४१० | १,१५६ |
| ६९ | ७१ | अछाम | | ९६ | | ५९० | | ४५६ | १,१४२ |
| ७० | ७२ | डोटी | | ७२ | | ३९० | | १९० | ६५२ |
| ७१ | ७३ | कैलाली | | ६२३ | | २६०४ | | २३९ | ३,४६६ |
| ७२ | ७४ | दार्चुला | | ७२ | | ३५७ | | १४१ | ५७० |
| ७३ | ७५ | बैतडी | | ११८ | | ६०५ | | १८६ | ९०९ |
| ७४ | ७६ | डडेलधुरा | | १३८ | | ५९० | | ८० | ८०८ |
| ७५ | ७७ | कञ्चनपुर | | ४४६ | | ११९९ | | ३० | १,६७५ |
| सुदूरपश्चिम जम्मा | | | | १,७३६ | | ७,३३० | | १,९७३ | ११,०३९ |
| कूल जम्मा | | | | १४,३५६ | | ५३,०३५ | | १८,९९६ | ८६,३८७ |

शिक्षक सेवा आयोगबाट
वितरण गरिएको स्थायी अध्यापन अनुमतिपत्रको
क्षेत्रगत विवरण

| क्षेत्र | प्रा.वि. | | | | जम्मा | नि.मा.वि. | | | | जम्मा | मा.वि. | | | | जम्मा | कुल जम्मा |
|-----------------|----------|-------|------|-------|--------|-----------|-------|-------|-------|-------|--------|-------|-------|-------|-------|--------------|
| | २०६१ | २०६२ | २०६४ | २०६६ | | २०६१ | २०६२ | २०६४ | २०६६ | | २०६१ | २०६२ | २०६४ | २०६६ | | |
| पूर्वाञ्चल | २१२६५ | १५३८६ | २९९५ | ४५९९ | ४४२४५ | ९११८ | ७४९७ | ७०७५ | ९१५० | ३२८४० | ५०३० | ४५६५ | ३६४९ | २३७८ | १५६२२ | ९२७०७ |
| मध्यमाञ्चल | १९०२८ | २००३४ | १०८४ | ७१०० | ४७२४६ | १२५९९ | १२५५३ | ९९३२ | १६९६७ | ५२०५१ | ८६०८ | ७५३६ | ४५०६ | ५९०६ | २६५५६ | १२५८५३ |
| पश्चिमाञ्चल | २००६३ | १६३७५ | ५०२ | १६७६ | ३८६१६ | ७४०५ | ६७८९ | ७००६ | ११८७० | ३३०७० | ४०१८ | ३१५९ | १५९१ | २७५९ | ११५२७ | ८३२१३ |
| मध्यपश्चिमाञ्चल | ६९५६ | ८०२१ | १२५३ | ३६४८ | १९८७८ | ३१३६ | २५२९ | ४९७७ | ७७१८ | १८३६० | १५४९ | ११०० | १०३६ | १५७७ | ५२६२ | ४३५०० |
| सदूरपश्चिमाञ्चल | ४९२९ | ५३५९ | ४९० | १७३६ | १२५१४ | २३९३ | २७१६ | ३६९० | ७३३० | १६१२९ | १०७४ | १०६८ | ९८३ | १७३६ | ४८६१ | ३३५०४ |
| जम्मा | ७४३०२ | ६७२३७ | ८३८८ | २०८२५ | १६२४९९ | ३६७१२ | ३४१४६ | ३४७४४ | ५५१०१ | २३०५ | २२३४० | १९४९० | १३८२९ | १६४२२ | ६३८२८ | ३७८७७७ |

शिक्षक सेवा आयोगको संगठनात्मक संरचना

